बस्ती (उ0प्र0)
02 अगस्त, 2023
बुधवार
वर्ष–3, अंक–238
मूल्य : 2 रूपया
पृष्ठ– 4

R.N.I.No.UPHIN/2020/83538

मखौड़ा संदेश

हिन्दी दैनिक

एक नजर

बहला फुसला कर बालिका भगाने का आरोपी गिरफ्तार

मखौड़ा संदेश बस्ती संवाददाता।

बस्ती। कोतवाली पुलिस टीम द्वारा बालिका को बहला फुसला कर भगा ले जाने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार कर अपहृता को 24 घण्टे के अंदर सकुशल बरामद किया गया। थाना कोतवाली पर पंजीकृत मुकदमा संख्या 264/2023 धारा 363/366 से सम्बंधित अभियुक्त सोनू उर्फ मोहम्मद फरदीन पुत्र वसीम उर्फ मुन्ना निवासी मोहल्ला मिल्लतनगर थाना कोतवाली जनपद बस्ती को गिरफ्तार कर 24 घण्टे के अंदर सम्बंधित अपहृता को बरामद किया गया।

अपर पुलिस अधीक्षक ने साप्ताहिक परेड का किया निरीक्षण

मखौड़ा संदेश बस्ती संवाददाता।

बस्ती। अपर पुलिस अधीक्षक बस्ती दीपेन्द्र नाथ चौधरी द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन्स बस्ती में मंगलवार की साप्ताहिक परेड का निरीक्षण कर परेड की सलामी ली गयी। अपर पुलिस अधीक्षक बस्ती दीपेन्द्र नाथ चौधरी द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन्स बस्ती में मंगलवार को साप्ताहिक परेड का निरीक्षण कर परेड की सलामी ली गयी द्य सलामी क्वार्टर गार्द के उपरांत शस्त्रागार, जी0डी0 कार्यालय, परिवहन शाखा, कैंटीन शाखा, भोजनालय, बैरक आदि का निरीक्षण कर उनके साफ–सफाई एवं अभिलेखों के रखरखाव हेतु संबंधित को निर्देशित कर अर्दली–रूम किया गय । इस दौरान प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन्स बस्ती मौजूद रहे।

छप्पर की बडेर से संदिग्ध अवस्था में लटकता मिला युवक का शव

मखौड़ा संदेश तहसील प्रभारी बस्ती सदर।

कलवारी। थाना क्षेत्र के नगर पंचायत गायघाट में एक 35 वर्षीय युवक का शव खेत मे बने छप्पर के बडेर से फांसी के फंदे से झूलता हुआ मिला। रोज की तरह मृतक सोमवार को शाम साढ़े नौ बजे घर से खेत की रखवाली करने के लिए गया था। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव का पंचनामा कर अंत्य परीक्षण के लिए मर्चरी हाउस भेज दिया है। बीते सोमवार की रात लगभग साढ़े नौ बजे गायघाट कस्बे के पश्चिम सिवान में 35 वर्षीय दिलीप सोनकर पुत्र पांचू खेत में बनी झोपड़ी में रह कर खेतों की रखवाली करने के लिए रोज की तरह गया था।मंगलवार को रोजाना की भांति जब उसकी पत्नी माया खाना लेकर घर से उस झोपड़ी में पहुंची तो झोपड़ी के बडेर में साड़ी के फंदे से अपने पति के शव को झूलता देखकर अवाक रह गई और जोर जोर से रोने लगी। विलाप सुनकर आस पास के लोगों ने घटना स्थल पर पहुंच कर किसी तरह शव को नीचे उतारा और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का मुआयना किया। थानाध्यक्ष कलवारी अलोक श्रीवास्तव की सूचना पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने घटना का पर्यात्त साक्ष्य जुटाए। और अंत्य परीक्षण के लिए मर्चरी हाउस भेज दिया।

तेजी से उभरता हुआ हिन्दी दैनिक मखौड़ा संदेश अखबार से जुड़ने के लिए सम्पर्क करें।
सम्पादक
विकास पाण्डेय
9026880094 / 9918167159

लोकसभा में पेश हुआ दिल्ली सेवा बिल, अमित शाह बोले-संविधान ने सदन को दिया है अधिकार

नयी दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में मंगलवार को विवादास्पद 'राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली क्षेत्र सरकार संशोधन विधेयक 2023 पेश किया गया। यह विधेयक दिल्ली में समूह–ए के अधिकारियों के स्थानांतरण एवं पदस्थापना के लिए एक प्राधिकार के गठन के लिहाज से लाये गये अध्यादेश का स्थान लेने के लिए लाया गया है। निचले सदन में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने गृह मंत्री अमित शाह की ओर से विधेयक पेश किया। विधेयक पेश किये जाने का कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी, शशि थरूर एवं गौरव गोगोई, आरएसपी के एन के प्रेमचंद्रन, तृणमूल कांग्रेस के सौगत राय और एआईएमआईएम के असदुद्दीन औवैसी आदि ने विरोध किया। विधेयक पर लोकसभा में गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि संविधान ने सदन को संपूर्ण अधिकार दिया है कि वह दिल्ली राज्य के लिए कोई भी कानून ला सकता है। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय के आदेश के हवाले से इसे पेश किये जाने का विरोध किया जा रहा है लेकिन उसी आदेश के पैरा 6, पैरा 95 में शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया है कि संसद, दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र के लिए कोई कानून बना सकती है। शाह ने कहा कि विधेयक पेश किये जाने के खिलाफ सारी आपत्तियां राजनीतिक हैं और इनका कोई संवैधानिक आधार नहीं है, संसद के नियमों के तहत भी इनका कोई आधार नहीं है। इसके बाद सदन ने ध्वनिमत से विधेयक पेश किये जाने की मंजूरी दे दी। बीजेडी ने भी इस बिल को लेकर मोदी सरकार का समर्थन करने का ऐलान कर दिया है। बीजेडी के लोकसभा में 12 सांसद हैं और राज्य सभा में नौ सांसद हैं। बीजेडी के समर्थन के बाद दिल्ली सेवा बिल का राज्य सभा में पारित होना पक्का है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली आम आदमी पार्टी ने अध्यादेश का कड़ा विरोध किया है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल भी इस अध्यादेश के विरुद्ध हैं। केंद्र सरकार 19 मई को अध्यादेश लाई थी। इससे एक सप्ताह पहले उच्चतम न्यायालय ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार को सेवा से जुड़े मामलों का नियंत्रण प्रदान कर दिया था हालांकि उसे पुलिस, सार्वजनिक व्यवस्था और भूमि से जुड़े विषय नहीं दिये गए। शीर्ष अदालत के 11 मई के फैसले से पहले दिल्ली सरकार के सभी अधिकारियों के स्थानांतरण और तैनाती उपराज्यपाल के कार्यकारी नियंत्रण में थे। इस अध्यादेश में कहा गया है कि ''राष्ट्रीय राजधानी लोक सेवा प्रधिकरण नाम का एक प्राधिकार होगा, जो उसे प्रदान की गई शक्तियों का उपयोग करेगा और उसे सौंपी गई जिम्मेदारियों का निर्वहन करेगा।

गीडा में सीडब्ल्यूसी खोलेगा यूपी का पहला इंडस्ट्रियल वेयरहाउस

सेंट्रल वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन के प्रोजेक्ट का हुआ भूमिपूजन
1.20 लाख वर्गफुट में होगा औद्योगिक गोदाम
50 करोड़ रुपये का निवेश, एक हजार लोगों को मिलेगा रोजगार

मखौड़ा संदेश संवाददाता

गोरखपुर, 1 अगस्त। औद्योगिक नक्शे पर तेजी से उभर रहे गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) क्षेत्र में उद्यमियों को माल भंडारण के लिए बड़ी सुविधा मिलने जा रही है। देश मे वेयरहाउसिंग क्षेत्र के अग्रणी सार्वजनिक उपक्रम सेंट्रल वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन (सीडब्ल्यूसी) की तरफ से गीडा क्षेत्र में 1.20 लाख वर्गफुट क्षेत्रफल में औद्योगिक गोदाम बनवाया जाएगा। यह सीडब्ल्यूसी का यूपी में पहला इंडस्ट्रियल वेयरहाउस होगा। मंगलवार को गीडा इंडस्ट्रियल एरिया में भूमि पूजन के साथ इस प्रोजेक्ट के निर्माण कार्य का शुभारंभ हो गया।

गीडा में निवेशकों का तेजी से बढ़ता रुझान देखकर सेंट्रल वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन ने भी यहां निवेश की इच्छा जताते हुए भूमि की मांग की थी। गीडा की तरफ से सीडब्ल्यूसी को 5.5 एकड़ जमीन आवंटित की गई है। भूमि आवंटन प्रमाण पत्र नवंबर 2022 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीडब्ल्यूसी के समूह महाप्रबंधक शिवानंद राय को सौंपा था। सीडब्ल्यूसी की तरफ से यहां उत्तर प्रदेश का पहला इंडस्ट्रियल वेयरहाउस बनाने के लिए करीब 50 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है। इसके क्रियाशील होने पर करीब एक हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। मंगलवार को इंडस्ट्रियल वेयरहाउस के निर्माण का भूमि पूजन सम्पन्न हुआ। इस दौरान एफसीआई, कृभको, अमेजन, एशियन पेंट्स, सेफ एक्सप्रेस के अधिकारियों समेत सीडब्ल्यूसी के कई स्टेकहोल्डर्स भी मौजूद रहे।

सीएम योगी के नेतृत्व में बना निवेश का शानदार माहौल

सीडब्ल्यूसी के समूह महाप्रबंधक शिवानंद राय का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पूरे यूपी में निवेश का शानदार वातावरण बना है। गीडा में भी बड़े पैमाने पर निवेश हो रहा है। ऐसे में भंडारण सुविधा की भी मांग स्वाभाविक रूप से बढ़ेगी। यहां उद्योगों को भंडारण और वितरण की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सीडब्ल्यूसी 20000 टन क्षमता के वेयरहाउस की सुविधा देगा। वेयरहाउस सभी आधुनिक व तकनीकी सुविधाओं से युक्त होगा। इस वेयरहाउस में प्रदूषण मुक्त औद्योगिक प्रक्रिया को सम्पन्न करने की सुविधा भी मिलेगी। जैसे कुछ उपकरणों की असेंबलिंग की जा सकती है या फूड प्रोसेसिंग के पैकेजिंग का काम भी किया जा सकेगा। शिवानंद राय ने बताया कि सीडब्ल्यूसी के कुल 458 वेयरहाउस में से 43 यूपी में हैं।

उद्यमियों को मिलेगी हर तरह की सुविधा व सहूलियत

गीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी पवन अग्रवाल के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में गीडा निवेशकों के लिए पसंदीदा स्थल बनकर उभरा है। उद्यमियों को उनकी जरूरत और पसंद के अनुसार भूखंड उपलब्ध कराए जा रहे हैं। यहां उद्यमियों को हर तरह की सुविधा और सहूलियत देने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। सीडब्ल्यूसी के प्रोजेक्ट से उद्योगों के माल के भंडारण की अच्छी सुविधा मिल जाएगी। इससे रोजगार भी बढ़ेगा।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

मखौड़ा संदेश बस्ती संवाददाता।

बस्ती। जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुयी। अपने सम्बोधन में जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि सड़को में गड्ढा होने के कारण दुर्घटनाए हो रही है तथा लोगों की जान जा रही है। उन्होने पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्थलीय निरीक्षण करके सड़को की मरम्मत सुनिश्चित करायें। उन्होने बस स्टेशन तथा ट्रैफिक ट्रेनिंग स्कूल का नामकरण स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के नाम पर करने में तेजी लाने का निर्देश दिया।

बैठक में गॉधीनगर में प्रतिदिन लगने वाले जाम के संबंध में चर्चा की गयी। बताया गया कि अनावश्यक रूप से सड़क के किनारे गाड़िया तथा ढेले खड़ी की जाती है, इसको नियंत्रित करने की आवश्यकता है। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि स्थान की कमी को देखते हुए अण्डरग्राउण्ड पार्किंग बनाने का प्रस्ताव शासन को भेंजा जाय। ट्रैफिक नियमों की जानकारी के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाय। रोड सेफ्टी क्लब का गठन अनिवार्य रूप से सभी संस्थानों में कराया जाय।

बैठक में पुलिस विभाग द्वारा सड़क दुर्घटनाओं की तुलनात्मक समीक्षा प्रस्तुत की गयी। बताया गया कि दुर्घटना के दौरान अधिकांश मृत्यु हेलमेट ना लगाना, ओवरस्पीडिंग तथा ट्रैफिक नियमों का पालन ना करने से हो रही है। इसके लिए सभी स्कूल कालेज में जागरूकता अभियान संचालित किया जायेंगा। इसमें ब्लैकस्पाट चिन्हिकरण तथा यहॉ पर किए गये सुधारात्मक कार्यो की समीक्षा की गयी।

मुख्य विकास अधिकारी डा. राजेश कुमार प्रजापति ने निर्देश दिया कि जनपद में समस्त प्रमुख जिला मार्ग, स्टेट हाईवे एंव राष्ट्रीय राजमार्ग की जंक्शन की संख्या को चिन्हित करके वहॉ आवश्यक ट्रैफिक साइनेज लगाये जाय। तीन या तीन से अधिक दुर्घटना में मृत्यु वाली सड़क की जॉच संयुक्त रूप से विभागीय अधिकारियों की टीम द्वारा की जाय एवं अगली बैठक में इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत की जाय।

बैठक का संचालन सदस्य सचिव/अधिशासी अभियन्ता पीडब्ल्यूडी केशवलाल ने किया। बैठक में सांसद प्रतिनधि जगदीश शुक्ल, एमएलसी प्रतिनिधि संदीप यदुवंश, विधायक प्रतिनिधि मु0 सलीम, सरोज मिश्र, आरटीओ रविकान्त शुक्ला, सीओ शेषमणि उपाध्याय, एआरटीओ पंकज सिंह, एआरओ डा. सुशील मिश्र, टीएसआई कामेश्वर सिंह, अधिशासी अभियन्ता विद्युत महेन्द्र मिश्र तथा टैक्सी, टेम्पो, बस एसोसिएशन के प्रतिनिधि उपस्थित रहें।

अटल आवासीय विद्यालय का मण्डलायुक्त ने किया औचक निरीक्षण

मखौड़ा संदेश बस्ती संवाददाता।

बस्ती। मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह ने तहसील हर्रैया, विकासखंड परसरामपुर के ग्राम बसेवाराय में स्थित अटल आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मण्डलायुक्त ने निर्देशित किया कि अपशिष्ट प्रबन्धन का समुचित कार्ययोजना तैयार कर ली जाय तथा विद्यालय में बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए संबंधित कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया है। उन्होने यह भी कहा है कि विद्यालय संचालन के लिए जो भी आधारभूत सामग्री की आवश्यकता है, उसकी समुचित उपलब्धता समय से पूर्ण कर ली जाय।

निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी हर्रैया गुलाब चन्द, श्रम प्रवर्तन अधिकारी विनय कुमार दूबे, अधिशासी अभियन्ता लो.नि.वि. एस. पी. सिंह, सहायक अभियन्ता अखिलेश सिंह, अटल अवासीय प्राधानाचार्य धनश्याम कुमार, जी.एस. एक्सप्रेस के प्रतिनिधि उपस्थित रहें।

गौवंश संरक्षण में लापरवाही पर बीडीओ ने सचिव का वेतन रोका, गौवंश पकडवाकर भेजा आश्रयस्थल

मखौड़ा संदेश बस्ती संवाददाता।

विक्रमजोत। विकासखंड के मल्लूपुर ग्राम पंचायत में छुट्टा जानवरों की समस्या को लेकर सोशल मिडिया में वायरल विडियो और अखबार में छपी खबरों को संज्ञान में लेते हुए खंड विकास अधिकारी सुनील कुमार कौशल संबंधित सचिव पर कड़ी कार्रवाई किया है वहीं मंगलवार को ग्राम पंचायत में कॉउ कैचर टीम भेजकर सभी छोटा जानवरों को पकड़कर पशु आश्रय स्थल में भिजवाया। खंड विकास अधिकारी द्वारा त्वरित कार्यवाही की क्षेत्र में चर्चा है। बता दें कि मल्लूपुर ग्राम पंचायत के कुछ ग्रामीणों ने प्रमुख सड़कों एवं खेतों में लगी फसल पर कब्जा जमाए छुट्टा जानवरों कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए संबंधित सचिव से पकड़ने का गुहार लगाई थी। खंडविकास अधिकारी सुनील कुमार कौशल ने बताया कि शासन की प्राथमिकता में शामिल गोवंश संरक्षण योजना के प्रति लापरवाही करने वाले सचिव अजय चौधरी का वेतन रोका गया है इसी तरह शिकायत वाले बाकी 4 सचिवों को एक सप्ताह के अंदर का अस्थायी गौवंश स्थल पर हरे चारे की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। बता दें कि खंड विकास अधिकारी द्वारा एक सप्ताह से लगातार अस्थाई गोवंश आश्रय स्थल स्वयं निरीक्षण प्रारंभ किया गया है।

सोमवार को मेढइया शुक्ल, मंगलवार को मल्लूपुर, मल्हनी गौशाला का निरीक्षण किया गया है कि विगत 1 सप्ताह से हाईवे से लगी सभी ग्राम पंचायतों में गौवंश पकड़ने का अभियान तेजी से चलाया जा रहा है। उसी क्रम में मंगलवार को हाइवे पर छावनी कस्बा से लेकर टोल प्लाजा तक पॉच गौवंश को पकड़कर ग्राम पंचायत सचिव मधुसूदन अजय चौधरी एवं सफाईकर्मियों की टीम ने अस्थाई गौशाला मल्लूपुर में संरक्षित कराया गया।

भूमि एवं जल संरक्षण समिति की बैठक सम्पन्न

मखौड़ा संदेश बस्ती संवाददाता।

बस्ती। भूमि एवं जल संरक्षण समिति की बैठक जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुयी। उन्होने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध करायी जाय। उन्होने कहा कि किसानों की आय को दोगुनी करने के लिए विभाग द्वारा महत्वपूर्ण योजनाए संचालित की जा रही है। इसमें बांध बनाने, भूमि का समतलीकरण करने के साथ–साथ वृक्षारोपण, उद्यानीकरण, फसल उत्पादन के लिए किसानों को अनुदान दिया जाता है।

बैठक में पं0 दीनदयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री सिंचाई योजना के अन्तर्गत खेत में तालाब का निर्माण तथा राष्ट्रीय सतत कृषि मिशन योजना की समीक्षा की गयी। बताया गया कि इन योजनाओं में 823.24 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई क्षमता में वृद्धि के लिए कुल रू0 195.44 लाख व्यय किया जायेंगा। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना में 50 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है। वर्ष 2023–24 में पं0 दीनदयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजना में 1072 हेक्टेयर क्षेत्र में समतलीकरण, बांध बनाने, फसलोत्पादन तथा वनीकरण पर रू0 265.66 लाख व्यय किया जायेंगा।

सीडीओ डा. राजेश कुमार प्रजापति ने कहा कि विभागीय योजनाओं के संचालन में जनप्रतिनिधिगण से सुझाव प्राप्त करके कार्य सम्पादित किए जायेंगे। बैठक का संचालन भूमि संरक्षण अधिकारी डा. राजमंगल चौधरी ने किया। इसमें सांसद प्रतिनिधि जगदीश शुक्ल, विधायक प्रतिनिधि गुलाब चन्द्र सोनकर, सरोज मिश्र, मु0 सलीम, एमएलसी प्रतिनिधि संदीप यदुवंश, ब्लाक प्रमुख अभिषेक कुमार, अनिल दुबे, यशकान्त सिंह, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि राजेश यादव, योगेन्द्र सिंह, जटाशंकर शुक्ल, दुष्यन्तविक्रम सिंह, उप निदेशक कृषि अनिल कुमार, कृषि अधिकारी मनीष सिंह, उद्यान अधिकारी धर्मेन्द्र चौधरी उपस्थित रहें।

सपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी घोषित

मखौड़ा संदेश बस्ती संवाददाता।

हर्रैया। समाजवादी पार्टी कार्यालय के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव जी के निर्देश पर आज मंगलवार को समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल जी एवं समाजवादी पार्टी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर राजपाल कश्यप द्वारा अनुमोदन पर समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ बस्ती के जिला अध्यक्ष प्रमोद यादव के द्वारा जिला कार्यकारिणी घोषित किया गया जिसमें नारायणपुर मिश्र गांव निवासी युवा एवं कर्मठ नेता धर्मेंद्र वर्मा को समाजवादी पार्टी कार्यालय लखनऊ पर सदस्यता दिला कर उन्हें जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया धर्मेंद्र वर्मा ने बताया कि पार्टी के साथ दिन रात मेहनत करके पार्टी को आगे बनाऊंगा इस मौके पर जसवंत वर्मा राजेश कुमार निराला वीरेंद्र वर्मा अजय कुमार सोनी सोनू पटेल राजकुमार वर्मा शैलेश यादव सिकंदर वर्मा महेंद्र सोनी दीपनारायण सोनी ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की।

सम्पादकीय

लापता लाखों महिलाएं

इन आंकड़ों पर अविश्वास का कोई कारण नजर नहीं आता कि देश में दो साल के भीतर 13.13 लाख महिलाएं और लड़कियां लापता हुईं। वजह यह कि आंकड़ा राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी ने जुटाया है और संसद के पटल पर रखा गया है। वैसे इस बात की कोई गारंटी भी नहीं कि देश के दूर–दराज के इलाकों से लापता हर महिला और लड़की की गुमशुदगी भी इन आंकड़ों में शामिल हो। वैसे भी बहुत से लोग कथित इज्जत के नाम पर रिपोर्ट दर्ज कराने से गुरेज करते हैं। बहरहाल, यह किसी सभ्य समाज के माथे पर कलंक ही है कि महज दो साल में तेरह लाख से अधिक महिलाएं और लड़कियां गायब हो जाएं और उनकी कोई खैर–खबर न मिले। यह संकट जहां पुलिस–प्रशासन की नाकामी को दर्शाता है, वहीं समाज को भी आत्ममंथन को बाध्य करता है कि हमने ऐसी स्थितियां क्यों बनने दी कि महिलाओं ने परेशान होकर घर छोड़ा या फिर वे असामाजिक तत्वों के चंगुल में फंस गईं। निस्संदेह, यह दुखद स्थिति है और लापता होने का आंकड़ा बहुत बड़ा है और चीन के बाद दुनिया में दूसरे नंबर पर है। यह विडंबना ही है कि मणिपुर मुद्दे पर जारी राजनीतिक कोलाहल के बीच इस ज्वलंत मुद्दे पर गंभीर राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं आई। दुरूखद स्थिति यह भी है कि लापता होने वाली महिलाओं में ढाई लाख की संख्या नाबालिग लड़कियों की है। कहना मुश्किल है कि वे मानव तस्करी करने वालों के हत्थे चढ़ीं या अपने किसी परिचित के साथ नये जीवन की शुरुआत के लिये निकलीं। यह कहना भी कठिन है कि 2021 के बाद स्थितियां बदल गईं और इन आंकड़ों में कुछ लाख और महिलाएं व लड़कियां शामिल नहीं होंगी। लेकिन कुल मिलाकर हमारे समाज में स्थितियां ऐसी नहीं हैं कि एक आम महिला आत्मसम्मान व सुरक्षा का जीवन सहजता से जी सके। जिसको लेकर गंभीर मंथन करने की जरूरत है। बहरहाल, तेरह लाख महिलाओं व लड़कियों का लापता होना समाज में विमर्श की मांग करता है कि आखिर वे गई कहां। निश्चित रूप से हालिया वर्षों में समाज में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों में खासी तेजी आई है। निर्भया कांड के बाद महिलाओं की सुरक्षा के लिये जो सख्त कानून बने भी, उनका अपेक्षित प्रभाव समाज में नजर नहीं आता। आये दिन समाज में महिलाओं के अपहरण, बहला–फुसलाकर भगा ले जाने तथा मानव तस्करी के समाचार अखबारों की सुर्खियां बनते रहते हैं। ऐसे में हम इन महिलाओं के लापता होने के लिये सिर्फ सरकार को ही दोषी नहीं ठहरा सकते। पिछले दिनों कुछ ऐसी घटनाएं सामने आई हैं कि अपराधी व सिरफिरे आशिक एकतरफा प्यार में विफलता के बाद सार्वजनिक रूप से लड़कियों की हत्या करते रहे और भीड़ तमाशबीन बनी रही या वीडियो बनाने में मशगूल रही। ऐसे में महिलाओं व लड़कियों के लापता होने में समाज अपने उत्तरदायित्व से बच नहीं सकता। मणिपुर में महिलाओं के साथ हुई क्रूरता ने देश को दुनिया में शर्मसार किया, जहां जातीय दुश्मनी के बदले का शिकार महिलाओं को बनाया गया। ऐसे में समाज के हर व्यक्ति को आत्ममंथन करना होगा कि क्या हम ऐसा समाज बनाने में योगदान दे रहे हैं,जहां किसी भी महिला के लापता होने की स्थिति न बने। कन्या भ्रूणहत्या करने वाले तथा दहेज के लिये विवाहिता को मारने वाले भी इसी समाज का हिस्सा हैं, जो महिलाओं के प्रति क्रूरता का ही एक रूप है। देश के कई भागों में असंतुलित लिंग अनुपात भी स्त्री विरोधी सोच की बानगी है। यह सोच महज सख्त कानून से नहीं बदलने वाली। हमें सोचना होगा कि महिलाएं क्यों यौन हिंसा की शिकार बन रही हैं? क्यों समाज में महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार, अपहरण व दुष्कर्म के मामले लगातार बढ़ रहे हैं? जाहिरा तौर पर ये समाज में पनप रही विषाक्त सोच की ही परिणति है। यह तय है कि किसी भी समाज में महिलाओं की स्थिति उसके सभ्य या असभ्य होने का परिचायक है। हमें अपने गिरेबां में झांकना होगा कि हम इस कसौटी पर कहां खड़े हैं? जिसके लिये समाज और राजनीतिक नेतृत्व को गंभीर पहल करनी होगी।

मेष :– किसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी की ब्यस्तता से मन बोझिल होगा। निराशा त्याग मन को आशावादी बिचारों से सिंचित करें। महत्वपूर्ण क्षेत्र में संबंधों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में बौद्धिक क्षमता का लाभ उठाऐंगे।

वृष :– भौतिक आकांक्षाएं बलवती होंगी। राजनीतिज्ञों के लिए राजनीतिक क्षेत्र में व्यस्तता व क्रियाशीलता बढ़ेगी। परिजनों से किसी प्रकार की शिकायत पर खुलकर बात करें। खराब संगत से दूरी बनाएं।

मिथुन :– महत्वपूर्ण घरेलू दायित्वों के प्रति मन केन्द्रित होगा। अत्यधिक कायरे की ब्यस्तता से मन परेशान होगा। पारम्परिक कायरे में व्यस्तता बढ़ेगी। जीवन साथी से भावनात्मक स्नेह प्राप्त होगा।

कर्क :– क्रोध व शंकाए छोड़ संबंधों में प्यार विखेरें। कार्य क्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी। क्षमता से अधिक व्यय भविष्य के लिए चिन्ता उत्पन्न करेगी। किसी नए कार्य में मन केन्द्रित होगा। सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी।

सिंह :– जीविका क्षेत्र में नए आयाम आपको उत्साहित करेंगे। पुरानी समस्याओं को हलकर सुख की अनुभूति करेंगे। आकस्मिक नई आशंकाओं से प्रभावित मन कोई गलत निर्णय ले सकता है।

कन्या :– किसी महत्वपूर्ण कार्य में धनाभाव अवरोधक हो सकता है। लेकिन प्रियजनों के सहयोग से समस्याएं हल होंगी। अच्छी आशाएं आप में क्रियाशीलता बढ़ाएंगी। परिवार में कोई सुखद माहौल बनेगा।

तुला :– हर वक्त अपने को लाचार बनाए रखना अच्छी बात नहीं, समय का सदोपयोग करें और स्वयं को सकारात्मक दिशा दें। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित।

वृश्चिक :– शासन–सत्ता के सहयोग से कार्य क्षेत्र के अवरोध समाप्त होंगे। कार्य क्षेत्र में लोकप्रियता व वर्चस्व बढ़ेगा। प्रयत्न की सार्थकता उच्छृंखलता व व्यग्रता क्षेत्रों में एकाग्रता का अभाव पैदा करेगा।

धनु :– कोई नई योजना उत्साहित करेगी। भौतिक जगत के चकाचौंध आप प्रभावित होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में सफलता के आसार बढ़ेगे। अच्छे व्यवहारकुशलता से सामाजिक मान–मर्यादा में वृद्धि होगी।

मकर :– कुछ बालसुलभता व असंयमित शब्दों का प्रयोग संबंधों में कटुता ला सकता है। नैतिक जिम्मेदारियों में सजगता काबिले तारीफ होगी। पूर्वाग्रह वश मन में संबंधों के प्रति नकारात्मकता को न पालें।

कुंभ :– ''खाली मन शैतान का घर'' अपने दिनर्चया को सुधारें। संतान संबंधी दायित्वों के प्रति मन चिंतित होगा। पारिवारिक जरुरतों की पूर्ति साधनाभाव से मन चिंतित होगा। मधुर वाणी से संबंधों में प्रभावशाली होंगे।

मीन :– भौतिक सुख–साधनों की ओर मन आकर्षित होगा। कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। कुछ नई प्रबल इच्छाएं आपको उद्वेलित करेंगी। परिश्रम द्वारा नए अवसरों का भरपूर लाभ उठाएंगे।

विकास और वन संरक्षण मे संतुलन

आदित्य नारायण

वन संरक्षण समय की जरूरत है। वन महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन हैं जो भूमि के बड़े हिस्से को कवर किए हुए हैं। वनों से ही मानव को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलता है। जंगल वातावरण को संतुलित रखते हैं। वन्य प्रणियों को आश्रय इन्हीं से मिलता है। मनुष्य के दैनिक जीवन की चीजों की समुचित आपूर्ति में वनों का महत्वपूर्ण योगदान है। जीवन की छोटी–छोटी जरूरतें और आयुर्वेदिक औषधियां भी वनों से ही प्राप्त होती हैं। जंगल शुद्ध प्राण वायु देते हैं इसलिए मनुष्य और समस्त जीव–जंतुओं के लिए यह प्रकृति द्वारा प्रदत्त अमूल्य धरोहर है। वनों को काट–काट कर बस्तियां बसाने का परिणाम हम देख रहे हैं। वनों का क्षेत्रफल घट जाने से पर्यावरण को काफी नुक्सान पहुंच चुका है। अब हमें लगातार प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ रहा है। वन संरक्षण का अर्थ वनों को विभिन्न कारकों द्वारा नष्ट होने से बचाना है। हाल ही में वन संरक्षण संशोधन विधेयक लोकसभा में पारित घ्कर दिया गया। इस विधेयक को लेकर दो मुख्य चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं। पहली घ्चिंता वनों की कानूनी परिभाषा को लेकर है। दूसरी चिंता वनों पर निर्भर समुदाय के अधिकारों और राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर भी है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जंगल बचेंगे कैसे? वर्ष 1980 का वन संरक्षण अधिनियम अपने संरक्षणवादी रुख के लिए जाना जाता था जिससे वन संबंधी मंजूरी प्राप्त करना अधिक समय लेने वाला और महंगा हो गया था। हालांकि नये संशोधन अधिनियम के दायरे को 25 अक्तूबर 1980 के बाद केवल कानूनी रूप से अधिसूचित और सरकार द्वारा घ्चिह्नित वनों तक सीमित करता है। 1996 में सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला दिया था जिसने 1980 के अधिनियम के दायरे को 'वन' के व्यापक अर्थ तक बढ़ा दिया था। अर्थात अब केवल कानूनी रूप से वन के रूप में अधिसूचित क्षेत्रों की बजाय पेड़ों वाले क्षेत्र भी इसमें शामिल होंगे। वन संरक्षण संशोधन विधेयक अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के 100 किमी. के भीतर सुरक्षा संबंधी बुनियादी ढांचे के लिए छूट प्रदान करता है। दुर्भाग्य से इसमें पूर्वोत्तर भारत के जंगलों और उच्च ऊंचाई वाले हिमालयी जंगलों और घास के मैदानों जैसे पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों को शामिल नहीं किया गया है

जो अपनी जैव विविधता के लिए जाने जाते हैं। जैव विविधता और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के लिए इन संवेदनशील पारिस्थितिक तंत्रों को संरक्षित करना अवश्यक है। यह संशोधन चिड़ियाघर, सफारी पार्क और इको–पर्यटन सुविधाओं जैसी घनिर्माण परियोजनाओं के लिए छूट प्रदान करता है। यद्यपि कृत्रिम रूप से निर्मित हरित क्षेत्र प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र का स्थान नहीं ले सकते, जो आवश्यक पारिस्थितिक तंत्र सेवाएं प्रदान करते हैं। इसके अलावा विधेयक केन्द्र सरकार को किसी भी वांछित उपयोग को निर्दिष्ट करने की अप्रतिबंधित शक्तियां प्रदान करता है जिससे उचित पर्यावरणीय जांच के बिना वन संसाधनों के संभावित दोहन के बारे में चिंताएं बढ़ जाती हैं। यह विधेयक मार्च महीने में 31 सदस्यीय संयुक्त संसदीय समिति मई में जेपीसी द्वारा जनता के सुझाव आमंत्रित किए गये थे। समिति ने विधेयक में कोई बदलाव प्रस्तावित नहीं किया था। हालांकि विपक्ष के 6 सांसदों ने असहमति नोट दाखिल किया था। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में वन भूमि को अधिनियम के दायरे से छूट देने पर आपत्ति जताई थी जो विशेष रूप से हिमालय क्षेत्र में जैवघ् विविधता और वन कवरेज के लिए हानिकारक हो सकता है। इस विधेयक के कानून बन जाने से मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, त्रिपुरा और मणिपुर के अत्यधिक संवेदनशील राज्यों के पूरे क्षेत्र को वन संरक्षण अधिनियम 1980 के सतर्कता दायरे से ही बाहर कर दिया जाएगा। विशेषज्ञ बताते हैं कि प्रस्तावना के अनुसार, एफसीएबी का उद्देश्य कॉर्पोरेट के लिए मार्ग प्रशस्त करना और वाणिज्यिक उपयोग के लिए वन भूमि को खोलना है लेकिन पूर्वोत्तर क्षेत्र जो पांच देशों से घिरा है और अवर्गीकृत वन श्रेणी के तहत सबसे बड़ा क्षेत्र है, की तुलना में कहीं भी इसका इतना व्यापक प्रभाव नहीं होने वाला है। यह क्षेत्र एक जैव–विविधता हॉटस्पॉट के रूप में मान्यता प्राप्त है। वन संरक्षण के लिए आवाज उठाने वालों का कहना है कि सख्त मंजूरी नियमों के बिना इन नाजुक पहाड़ों पर परियोजनाओं और बुनियादी ढांचे के निर्माण की अनुमति देना, मौजूदा पारिस्थितिकी तंत्र को और भी अधिक खतरे में डाल देगा। उन्होंने कहा कि जहां एफसीएबी पूरे देश को प्रभावित करेगा वहीं पूर्वोत्तर राज्यों को इसका बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ेगा क्योंकि एफसी एक्ट 1980 के सुरक्षात्मक आवरण को ही हटाने का प्रस्ताव है।ष्नए कानून में, यदि अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के 100 किलोमीटर के भीतर 'राष्ट्रीय सुरक्षा' और 'राष्ट्रीय महत्व' से संबंधित किसी भी बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए साइटों के रूप में वन भूमि को चुना जाता है तो उसे मौजूदा एफसी एक्ट 1980 के दायरे से बाहर करने की मांग की गई है। इसका मतलब है कि मिजोरम, नगालैंड, मणिपुर और त्रिपुरा पूरे के पूरे राज्य प्रभावित होंगे क्योंकि इन राज्यों का भौगोलिक आकार अंतर्राष्ट्रीय सीमा के किसी भी बिंदु से की गई गणना में 100 किलोमीटर से अधिक नहीं है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि इन चिंताओं के बावजूद वन कानूनों को लेकर अधिकारी विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन कैसे बनाते हैं। हालांकि केन्द्र सरकार ने बार–बार यह कहा है कि वन अधिकारी अधिनियम का उल्लंघन नहीं होने देगा। सरकार को राष्ट्रीय सुरक्षा को भी देखना है और विकास को भी। इसलिए उसे संतुलन बनाकर चलना होगा।

योगी का ज्ञानवापी पर आह्वान

हिन्दुओं के देवाधिदेव कहे जाने वाले भगवान विश्वनाथ की नगरी काशी भारत की अस्मिता का प्रतीक इस स्वरूप में रही है कि इस नगर को बसाने का श्रेय स्वयं भगवान शंकर को ही जाता है। बेशक यह भारतीय पौराणिक हिन्दू धर्म ग्रन्थों की मान्यता है परन्तु भारत के लोगों का इसमें विश्वास बताता है कि यह प्रश्न केवल आस्था का न होकर इस देश के पुरातन धार्मिक इतिहास का है। इतिहास भी हमें इसके पक्ष में ही दस्तावेज मुहैया काराता है और कहता है कि 1669 में मुगल सम्राट औरंगजेब ने शाही फरमान जारी कर काशी या बनारस के विश्वनाथ मन्दिर को विध्वंस करने का आदेश दिया था। इस शाही फरमान के आलोक में यदि विश्वनाथ धाम परिसर में बने ज्ञानवापी क्षेत्र को मस्जिद का स्वरूप औरंगजेब काल में दिया गया तो निश्चित रूप से मुगलकाल में की गई यह ऐतिहासिक भूल या गलती थी जिसके परिमार्जन करने के अधिकार से हिन्दुओं को बेदखल नहीं किया जा सकता क्योंकि औरंगजेब का यह कृत्य इस देश की सांस्कृतिक धरोहर को ही नष्ट करने का था। जिस प्रकार औरंगजेब के पिता द्वारा आगरा में बनवाये गये 'ताजमहल' के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ भारतीय संस्कृति को नष्ट करने का प्रयास कही जायेगी उसी प्रकार ज्ञानवापी क्षेत्र को मस्जिद स्वरूप में परिवर्तित करने के प्रयास को देखा जायेगा, बेशक यह प्रयास 17वीं सदी में क्यों न किया गया हो। अतः उत्तर प्रदेश के मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ का यह कथन पूर्णतः तार्किक व वैज्ञानिक सबूतों पर आधारित है कि ज्ञानवापी क्षेत्र को मस्जिद कहना गलत है और इतिहास की इस गलती को

स्वीकार करते हुए मस्जिद की इंतजामिया कमेटी को स्वयं ही एक प्रस्ताव करके ज्ञानवापी को हिन्दुओं को सौंप देना चाहिए और अदालतों के चक्कर नहीं काटने चाहिए। योगी आदित्यनाथ उस 'नाथ सम्प्रदाय' की गोरखनाथ पीठ के महन्त हैं जो 'अलख निरंजन' में विश्वास रखती है। इसका अर्थ ईश्वर के निराकार स्वरूप से होता है और मानवता की प्रतिष्ठापना इसका लक्ष्य होता है। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए जरूरी होता है कि आदमी सबसे पहले इंसान बने और उसमें आपस में भाईचारा हो। इसी भाईचारे को आधार बना कर 1920 में देवबन्द इस्लामी विचार पर गठित जमीयत उल–उलमा–ए–हिन्द के प्रमुख मौलाना हसन मदनी ने पाकिस्तान निर्माण का विरोध करते हुए भारत के लोगों की संस्कृति को 'मुत्तेहैदा कौमियत' का नाम दिया था और मुस्लिम लीग के नेताओं को चुनौती दी थी कि वे भारत के मुसलमानों की अलग कौमियत के सिद्धान्त पर उनसे बहस करने की हिम्मत करें। यह मुत्तेहैदा कौमियत यही है कि हिन्दू और मुसलमान सदियों से एक–दूसरे की भावनाओं व मान्यताओं का सम्मान करते हुए भारत में रहते आ रहे हैं और इस देश की सामाजिक–आर्थिक संरचना का हिस्सा है। इसी मुत्तेहैदा कौमियत की मांग है कि कांशी के ज्ञानवापी क्षेत्र में मस्जिद का निर्माण मन्दिर के भग्नावशेषा के ऊपर ही करा कर औरंगजेब ने जो ऐतिहासिक गलती की थी उसमें स्वयं मुस्लिम बन्धुओं द्वारा ही सुधार करने की शुरूआत की जाये और भारत की एकता को सुदृढ़ बनाया जाये। हमें नहीं भूलना चाहिए कि भारत के मुस्लिम सुल्तानों से लेकर मुगल बादशाहों तक ने इसकी संस्कृति का सम्मान किया है। औरंगजेब या कुछ सुल्तान इसका अपवाद जरूर हो सकते हैं मगर भारतीय मुसलमानों ने भी भारत की संस्कृति का सम्मान करके ही शासन किया। मुस्लिम सुल्तान अलाऊद्दीन खिलजी और मुहम्मद बिन तुगलक ने हिन्दू देवी–देवताओं की तस्वीर वाले सिक्के तक चलाये। मुगल सम्राट अकबर हिमाचल में स्थित ज्वाला देवी के मन्दिर में पैदल यात्रा करके गया। यदि वर्तमान भारत की बात करें तो बरेली में 'चुन्ना मियां' का बनाया भगवान लक्ष्मी नारायण का मन्दिर भी हमारे सामने है और दिल्ली की फतेहपुरी मस्जिद को छुड़ाने के लिए नगर 'सेठ छुन्ना मल' द्वारा दिया गया धन भी यही कहानी कहता है। अन्तिम मुगल सम्राट बहादुर शाह जफर द्वारा जमुना जी किनारे शुरू कराई गई राम लीला भी इसकी गवाही देती है। यही तो मुत्तेहैदा कौमियत होती है। काशी विश्वनाथ की कथित मस्जिद की दीवारों से लेकर उसका पूरा स्थापत्य ढांचा चीख–चीख कर कह रहा है कि मन्दिर के ढांचे के ऊपर ही औरंगजेब काल में मस्जिद के गुम्बद बना दिये गये और शाही रुआब कायम करने के लिए वहां बाद में नमाज पढ़ना भी शुरू कर दिया गया। वरना मस्जिद के अन्दर हिन्दू देवी–देवताओं की खंडित मूर्तियां व संस्कृत के श्लोक क्या कर रहे हैं। हालांकि यह मामला अब इलाहाबाद उच्च न्यायालय में है और 3 अगस्त को न्यायालय फैसला देगा कि ज्ञानवापी क्षेत्र का भारतीय पुरातत्व विभाग से सर्वेक्षण कराया जाये या नहीं मगर इस्लाम के सिद्धान्त भी कहते हैं कि किसी दूसरे धर्म के स्थल को मस्जिद में नहीं बदला जा सकता। इसलिए राष्ट्रहित व हिन्दू–मुस्लिम एकता के लिए ज्ञानवापी क्षेत्र पर कुछ मुस्लिम लोगों को जिद छोड़ कर उस भारत की सामाजिक एकता के बारे में सोचना चाहिए जिसके लिए लाखों हिन्दू–मुसलमानों ने अपनी कुर्बानियां दी हैं। योगी आदित्यनाथ ने जो सुझाव दिया है उसका एक कानूनी पहलू भी है क्योंकि उत्तर प्रदेश सरकार के रिकार्ड में 1964 के करीब ही यह आ गया था कि पूरा विश्वनाथ धाम क्षेत्र काशी परिक्षेत्र ही है और उस समय राज्य में कांग्रेस की श्रीमती सुचेता कृपलानी की सरकार थी। 1993 से पहले हिन्दू भक्तों के लिए मस्जिद के अन्दर जाकर पूजा करने की भी छूट थी। यह कार्य मुस्लिम नागरिकों की सहमति से ही होता था।

वे दिन थे अच्छे जब

हरिशंकर व्यास

पूछ सकते हैं भारत में अच्छे दिन कब थे? तब जब वक्त बिना जलवायु परिवर्तन के था। मौसम की ऊंच–नीच ढर्रे में थी। संसद सत्र में अटल बिहारी वाजपेयी के भाषण होते थे, बहस होती थी। लोकसभा में जाट स्पीकर बलराम जाखड़ भी वाजपेजी, आडवाणी, इंद्रजीत गुप्ता, मधु दंडवते सबको बोलने देते थे। सांसद के माइक की आवाज तब गुल नहीं हुआ करती थी! 1983 में जब असम मध्य के 14 गांवों का नेल्ली (ह्रद्गद्यद्यद्बद्ग) नरसंहार हुआ था तो पूरे देश ने तत्काल खबर जानी थी। मीडिया ने फटाफट रिपोर्टिंग की थी। भारत की संसद के दोनों सदनों ने बाकी काम छोड़ कर उस त्रासदी पर बहस की। अपना क्षोभ प्रगट किया। दोनों सदनों के सदस्यों ने मृतकों के प्रति संवेदना प्रगट करते हुए मौन रखा। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आलोचना सुन घटनाक्रम पर अपना भी क्षोभ जाहिर किया।

ध्यान रहे असम की उस घटना के आगे मणिपुर की ताजा घटना प्रदेश–समाज विभाजन है। मणिपुर अब इतना विभाजित है कि खुद भारत सरकार को महिला के सामूहिक बलात्कार, नंगी महिलाओं के जुलूस के मुकदमें की सही सुनवाई के लिए असम में मुकदमें की सुप्रीम कोर्ट से अनुमति मांगनी पड़ रही है। प्रदेश में दोनों समुदाय एक–दूसरे के जानी दुश्मन बन गए हैं। उसकी वैश्विक चर्चा है। लेकिन संसद, सरकार और प्रधानमंत्री मृतकों के लिए दो मिनट का मौन तो दूर बहस तक से कन्नी काटे हुए हैं। उलटे इस पर चुनाव के वोट पकाने की राजनीति है।

'अच्छाय था तब जब भाजपा में भी वाजपेयी बनाम आडवाणी, डॉ. स्वामी बनाम वाजपेयी, उदारवादी बनाम हार्डकोर, विजय कुमार मल्होत्रा–सहानी–खुराना–सिकंदर बख्त बनाम अरूण जेटली, विजय गोयल की नई पीढी की खींचतान थी। झगड़े, प्रतिस्पर्धा की राजनीति थी। तब भाजपा में गुलामी नहीं थी। नेताओं को सांप सूंघा नहीं रहता था। मोदी व शाह जैसों की न भक्ति थी और न खौफ था। तब भाजपा, जिंदादिल मर्दों की, गांधीवादी समाजवाद बनाम हिंदू राजनीति जैसे दिखावे के ही सही ही, मतभेद लिए हुए होती थी।

पत्रकारिता, मीडिया, अदालतों, अफसरशाही के तब के अच्छे दिनों की याद कराऊंगा तो किताब लिख जाएगी। इसलिए नई दिल्ली की धड़कती जिंदगी की तब की तस्वीरों को ही कुछ याद करें। बोट क्लब पर तब रैलियां होती थी। रामलीला मैदान विरोध की आवाजों से गूंजा करता था। जिस प्रगति मैदान को प्रधानमंत्री मोदी ने नए पत्थरों से अभी सजाया है उसमें चित्रकलाओं का वैश्विक लेवल का त्रिनाले हुआ करता था। नाटक होते थे। फिल्मों के शो हुआ करते थे थीम विशेष पर। बंगाली मार्केट का पूरा चौराहा संगीत, नाटक, साहित्य–संस्कृति के इंद्रधनुषों–विविधताओं को देखने–सुनने और मजा लेने का सेंटर प्वांइट हुआ करता था।

तब कला थी। ज्ञान था। बुद्धि थी। साहित्य था। वह राजनीति थी, जिससे जनता का धड़कता जुड़ाव था। जनता से, उनके सरोकारों से और संवेदनाओं की राजनीति थी न कि भगवान और भक्ति का गंवारपना। संसद भवन के केंद्र से फैली सभी सड़कों पर स्थित सांसदों के घरों में तब लोगों का जमावड़ा लगा रहता था। लोगों के काम होते थे।

'कब गीता ने ये कहा, बोली कहां कुरान। करो धर्म के नाम पर, धरती लहूलुहान।।'

–डॉ सत्यवान सौरभ

भारत मूलतः विविधताओं का देश है, विविधताओं में एकता ही यहाँ की सामासिक संस्कृति की स्वर्णिम गरिमा को आधार प्रदान करती है। वैदिक काल से ही सामासिक संस्कृति में अंतर और बाह्य विचारों का अंतर्वेशन ही यहाँ की विशेषता रही है, इसलिये किसी भी सांस्कृतिक विविधता को आत्मसात करना भारत में सुलभ है। इसी परिप्रेक्ष्य में धार्मिक सहचार्यता भी इन्हीं विशेषताओं में से एक रही है, इसका अप्रतिम उदाहरण सूफीवाद में देखा जा सकता है जहाँ पर इस्लामिक एकेश्वरवाद और भारतीय धर्मों की कुछ विशेषताओं का स्वर्णिम संयोजन हुआ तथा परिणामस्वरूप एक संश्लेषित धार्मिक वैचारिकता का सफल अनुगमन हुआ। किंतु हाल के वर्षों में भारत की सांस्कृतिक विविधता– सांस्कृतिक विषमता में अंतरित हो रही है जिससे लोगों के मध्य सद्भाव में ह्रास के साथ ही सांस्कृतिक विशेषता पर भी नकारात्मक प्रभाव भी पड़ रहा है।

एक राजनीतिक दर्शन के रूप में सांप्रदायिकता की जड़ें भारत की धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता में मौजूद हैं। भारत में सांप्रदायिकता का प्रयोग सदैव ही धार्मिक और जातीय पहचान के आधार पर समुदायों के बीच सांप्रदायिक घृणा और हिंसा के आधार पर विभाजन, मतभेद और तनाव पैदा करने के लिये एक राजनीतिक प्रचार उपकरण के रूप में किया गया है। सांप्रदायिक हिंसा एक ऐसी घटना है जिसमें दो अलग–अलग धार्मिक समुदायों के लोग नफरत और दुश्मनी की भावना से लामबंद होते हैं और एक–दूसरे पर हमला करते हैं। देश में फेक न्यूज़ के तीव्र प्रसार से सांप्रदायिकता को बढ़ावा देने में सोशल मीडिया ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की है। सोशल मीडिया हिंसा के माध्यम से दंगों और हिंसा के ऑडियो–विज़ुअल का प्रसार काफी सुगम और तेज़ हो गया है। हिंसा से संबंधित ये अमानवीयता ग्राफिक चित्रण आम जनता में अन्य समुदायों के प्रति घृणा को और बढ़ा देते हैं।

पत्रकारिता की नैतिकता और तटस्थता का पालन करने के स्थान पर देश के अधिकांश मीडिया हाउस विशेष रूप से किसी–न–किसी राजनीतिक विचारधारा के प्रति झुके हुए दिखाई देते हैं जो बदले में सामाजिक दरार को चौड़ा करता है। वर्तमान समय में विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा अपने राजनीतिक लाभों की पूर्ति के लिये सांप्रदायिकता का सहारा लिया जाता है। एक प्रक्रिया के रूप में राजनीति का सांप्रदायीकरण भारत में सांप्रदायिकता को बढ़ावा देने के साथ–साथ देश में सांप्रदायिक हिंसा की तीव्रता को बढ़ाता है। भारतीय लोगों में आमतौर पर मूल्य–आधारित शिक्षा का अभाव देखा जाता है, जिसके कारण वे बिना सोचे–समझे किसी की भी बातों में आ जाते हैं और अंधानुकरण करते हैं।

विकास का असमान स्तर, वर्ग विभाजन, गरीबी और बेरोज़गारी आदि कारक सामान्य लोगों में असुरक्षा का भाव उत्पन्न करते हैं। असुरक्षा की भावना के चलते लोगों का सरकार पर विश्वास कम हो जाता है, परिणामस्वरूप अपनी ज़रूरतों/हितों को पूरा करने के लिये लोगों द्वारा विभिन्न राजनीतिक दलों, जिनका गठन सांप्रदायिक आधार पर हुआ है, का सहारा लिया जाता है। दो समुदायों के बीच विश्वास और आपसी समझ की कमी या एक समुदाय द्वारा दूसरे समुदाय के सदस्यों का उत्पीड़न आदि के कारण उनमें भय, शंका और खतरे का भाव उत्पन्न होता है। इस मनोवैज्ञानिक भय के कारण लोगों के बीच विवाद, एक–दूसरे के प्रति नफरत, क्रोध और भय का माहौल पैदा होता है।

सांप्रदायिक हिंसा के दौरान निर्दोष लोग अनियंत्रित परिस्थितियों में फँस जाते हैं, जिसके कारण व्यापक स्तर पर मानवाधिकारों का हनन होता है। सांप्रदायिक हिंसा के कारण जानमाल का काफी अधिक नुकसान होता है। सांप्रदायिक हिंसा वोट बैंक की राजनीति को बढ़ावा देती है और सामाजिक सामंजस्य प्रभावित होता है। यह दीर्घावधि में सांप्रदायिक सद्भाव को गंभीर नुकसान पहुँचाती है। सांप्रदायिक हिंसा धर्मनिरपेक्षता और बंधुत्व जैसे संवैधानिक मूल्यों को प्रभावित करती है। सांप्रदायिक हिंसा में पीड़ित परिवारों को इसका सबसे अधिक खामियाज़ा भुगतना पड़ता है, उन्हें अपना घर, प्रियजनों यहाँ तक कि जीविका के साधनों से भी हाथ धोना पड़ता है। सांप्रदायिकता देश की आंतरिक सुरक्षा के लिये भी चुनौती प्रस्तुत करती है क्योंकि सांप्रदायिक हिंसा को भड़काने वाले एवं उससे पीड़ित होने वाले दोनों ही पक्षों में देश के ही नागरिक शामिल होते हैं।

सांप्रदायिक हिंसा को रोकने के लिये पुलिस को अच्छी तरह से सुसज्जित होने की आवश्यकता है। इस तरह की घटनाओं को रोकने हेतु स्थानीय खुफिया नेटवर्क को मज़बूत किया जा सकता है। सांप्रदायिक हिंसा को रोकने के लिये शांति समितियों की स्थापना की जा सकती है जिसमें विभिन्न धार्मिक समुदायों से संबंधित व्यक्ति सद्भावना फैलाने और दंगा प्रभावित क्षेत्रों में भय तथा घृणा की भावनाओं को दूर करने के लिये एक साथ कार्य कर सकते हैं। यह न केवल सांप्रदायिक तनाव बल्कि सांप्रदायिक दंगों को रोकने में भी मददगार साबित होगा। देश के आम लोगों को मूल्य आधारित शिक्षा दी जानी चाहिये, ताकि वे आसानी से किसी की बातों में न आ सकें। शांति, अहिंसा, करुणा, धर्मनिरपेक्षता और मानवतावाद के मूल्यों के साथ–साथ वैज्ञानिकता (एक मौलिक कर्त्तव्य के रूप में निहित) और तर्कसंगतता के आधार पर स्कूलों और कॉलेजों/विश्वविद्यालयों में बच्चों के उत्कृष्ट मूल्यों पर ध्यान केंद्रित करने, मूल्य–उन्मुख शिक्षा पर ज़ोर देने की आवश्यकता है जो सांप्रदायिक भावनाओं को रोकने में महत्त्वपूर्ण साबित हो सकते हैं।

घर के बाहर झाड़ू न लगाने पर भाजपा नेता ने सफाई कर्मचारियों को घेरकर पीटा

कानपुर(संवाददाता)। शहर के बर्रा में भाजपा नेता ने झाड़ू नहीं लगाने पर सफाई कर्मचारियों को घेरकर पीटा। इसके बाद भाग निकले। सफाई कर्मचारियों ने एकजुट होकर काम ठप कर दिया। इसके बाद बर्रा थाने का घेराव करने के साथ ही हंगामा किया। बर्रा पुलिस ने बीजेपी नेता के खिलाफ मारपीट की एफआईआर दर्ज की,तब जाकर हंगामा शांत हुआ।

नगर निगम के वार्ड–65 नौबस्ता पश्चिम में आउटसोर्सिंग पर शनि कुमार और साहिल सफाई कर्मचारी हैं। दोनों ने आरोप लगाया है कि दामोदर नगर में रहने वाले भाजपा नेता विनोद प्रजापति ने दोनों से घर के सामने झाड़ू लगाने को लेकर फटकार लगाई।

सफाई कर्मचारियों ने बताया कि आपका मकान वार्ड–70 के अंतर्गत आता है, हम दोनों की तैनाती वार्ड–65 में है। इसके बाद दोनों वहां से चले गए। कहने के बाद भी सफाई नहीं करने पर आक्रोशित विनोद प्रजापति दोनों को तलाशते हुए दो कारों से अपने गुंडों के साथ पहुंचे। आरोप है कि शनि और साहिल को विनोद और उनके गुंडों ने दबोच लिया। लोहे की रॉड व डंडे से जमकर पीटने के बाद भाग निकले। गुंडे कह रहे थे कि नेता जी के कहने के बाद भी झाड़ू नहीं लगाई। दोनों कर्मचारियों ने भागकर खुद को सुरक्षित किया और बर्रा थाने में तहरीर दी है।

बर्रा थाना प्रभारी सूर्यबलि पांडेय ने मंगलवार को बताया कि सफाई कर्मचारी की तहरीर पर आरोपी विनोद प्रजापति के खिलाफ एनसीआर दर्ज की गई है। मेडिकल के लिए दोनों सफाई कर्मचारियों को भेजा गया है। मेडिकल के आधार पर आगे मामले में धाराएं बढ़ाई जाएंगी और कार्रवाई होगी।

छात्र हत्याकांडः शव पर गर्दन और कंधे के पास चाकू से हुए गहरे घाव मिले

हत्यारोपी की क्रूरता की दास्तां बयां कर रही है पोस्टमार्टम रिपोर्ट

कानपुर(संवाददाता)। बिधनू थाना क्षेत्र के गंगापुर गांव के रहने वाले छात्र नीलेंद्र तिवारी की चाकुओं से गोदकर हत्या की वारदात ने सबको हिला कर रख दिया। कक्षा आठ तक के बच्चों की छुट्टी होने के बाद योजनाबद्ध तरीके से सहपाठी ने लंच के समय खूनी खेल खेला। चाकू से ताबड़तोड़ कई वार कर नीलेंद्र को लहूलुहान कर दिया। जब तक स्कूल के जिम्मेदार कुछ समझ पाते तब तक उसकी सांसे थम गईं। वहीं मंगलवार को छात्र का अंतिम संस्कार किया गया। मृतक के घर लोगों का आना जाना लगा रहा। बेटे की मौत से बेसुध मां रोते हुए यही बोलीं ...

हाय मेरा लाल बहुत तड़पा होगा...। भगवान उसकी जान लेने से अच्छा था कि मेरी जान ले लेते...।

गले में चाकू घुसते ही फूटी खून की धार : नीलेंद्र की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्यारोपी की क्रूरता की दास्तां बयां है। शव पर गर्दन और कंधे के पास चाकू से हुए गहरे घाव मिले हैं। एक करीब चार इंच का घाव श्वास नली पर मिला है। संभव है कि पहला वार यहीं किया गया, जिससे नीलेंद्र के गले से खून की धार बहने लगी। वह छटपटाते हुए वहीं गिर गया। इसके बाद भी हत्यारोपी नहीं रुका और नीलेंद्र के गले में कई वार किए। गर्दन पर दो से तीन इंच के तीन और घाव मिले हैं। इसके अलावा दो घाव तीन इंच के दाहिनी ओर गले और कंधे के बीच में हैं। सांस नली कटने और अधिक खून बहने से नीलेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई।

प्रोफेशनल किलर की तरह वारदात को दिया अंजाम : नीलेंद्र का पोस्टमार्टम करने वाले घाटमपुर सीएचसी के डॉ. जयप्रकाश और पोस्टमार्टम कर्मियों के अनुसार छात्र के शव को देखकर ऐसा लगा कि किसी प्रोफेशनल ने मौत घाट उतारा है। आवेश में आकर यदि कभी कोई शख्स चाकू से हमला करना भी चाहेगा तो पेट या सीने पर करेगा, लेकिन हत्यारोपी ने नीलेंद्र की गर्दन पर ही ताबड़तोड़ वार किए, जिससे उसके बचने का कोई भी चारा नहीं था। गर्दन में श्वास नली में करीब दो से तीन इंच के छेद हैं, जिससे साफ है कि हत्यारोपी ने चाकू सीधा गर्दन में धंसा दिया था। वहीं, ठोढ़ी के नीचे करीब चार इंच का कट मिला है।

युवक के गाली गलौज से आहत युवती ने फांसी लगाकर दी जान

कानपुर(संवाददाता)। बिधनू के पीपरगवां गांव निवासी एक युवती ने गाली गलौच से आहत होकर फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। परिजनों ने गाली गलौज करने वाले युवक के खिलाफ बिधनू थाने में शिकायत की है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

बिधनू थाना क्षेत्र के पीपरगवां निवासी राजेन्द्र यादव ने बताया की वह होटल चलाकर अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं। घर पर पत्नी रानी यादव एक बेटी और एक बेटे के साथ रहती है। दो बेटियों की पहले शादी हो चुकी है। उनकी बड़ी बेटी गांव के पंचायत सचिवालय मे पंचायत सहायक के पद पर कर्यरत है।

भाई रामयादव ने बिधनू थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी बड़ी बहन सुष्मा यादव गांव स्थित पंचायत सचिवालय में पंचायत सहायक के पद पर तैनात है। बीती शाम उनकी 22 वर्षीय छोटी बहन सोनम पंचायत सचिवालय गई थी।

वहां पर गांव निवासी युवक शकील पुत्र अल्लालखु आया और युवती को गाली गलौच देने लगा। जिससे आहत होकर उनकी बहन ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। सूचना पर पहुंची बिधनू ने युवती के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस घटना की जांच पड़ताल मे जुटी है।

पुरुषोत्तम मास की पूर्णमासी पर उमड़े हजारों श्रद्धालु

उन्नाव (संवाददाता)। आज मंगलवार को पुरुषोत्तम मास की पूर्णमासी के अवसर पर श्रद्धालु परियर गंगातट, शुक्लागंज के घाटों पर आस्था की डुबकी लगाकर पूजा अर्चना की। इसी तरह नानामऊ घाट पर भी स्नान किया गया। बक्सर घाट में भी स्नान के लिए लोगों की भीड़ रही। उन्नाव के चलकवंशी के पास स्थित परियर ब्रह्मावर्त गंगा तट पर श्रद्धालुओं ने ब्रम्हमुहूर्त से ही गंगा स्नान कर पूजा अर्चना की और मौके पर मौजूद तीर्थ पुरोहितों को दान दक्षिणा दी। वापस लौटते समय रास्ते में पड़ने वाले बाबा महादेव मंदिर व जानकी कुंड आश्रम में मंदिरों में जलाभिषेक कर परिवार की मंगल कामना की। शुक्लागंज में भी आज पूर्णमासी पर श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। गंगा स्नान कर श्रद्धालुओं ने दूध, घृत, शहद, अक्षत, रोली, चंदन, पुष्प, सुगंध, धूप, दीप व नैवेद्य आदि समर्पित कर पतित–पावनी का विधि–विधान से पूजन–अर्चन किया व उनसे सुख और समृद्धि की कामना की। मिश्रा कालोनी घाट, गंगा बिशुन घाट, शिव बाबा घाट, आनंद घाट, पुल के नीचे बने घाट व चंदन घाट पर गंगा स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही।

भोर पहर से ही श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान प्रारंभ कर दिया था। श्रद्धालुओं ने गंगा के घाटों व तटों पर भगवान सत्य नारायन की कथा सुनी व प्रसाद बांटा। आचार्य सृजध्वज ने बताया कि पूर्णमासी पर गंगा स्नान का बड़ा महत्व है। इस दिन गंगा स्नान करने व दान करने से कोटि–कोटि जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं। स्नान के बाद लोगों ने खरीदारी की। महिलाओं व युवतियों ने घाट किनारे सजी दुकानों में खरीदारी की इसके बाद वहां पर लगी चाट आदि की दुकानों में घूम–घूम कर खाने का लुत्फ उठाया। चिमटी, बिंदी की सजी दुकानों में महिलाओं व युवतियों ने एक से एक आइटम खरीदे। इस दौरान दुकानदारों ने हर माल के मनमाफिक पैसे वसूले।

बच्चे को पालतू कुत्ते ने नोचा: घर के बाहर घूमते समय किया हमला, हंगामा

कानपुर (संवाददाता)। शहर के जाजमऊ के ऊंचा टीला मोहल्ले में घर के बाहर खेल रहे 9 साल के बच्चे को एक घर के पालतू कुत्ते ने काट लिया। मामले की जानकारी मिलते ही परिवार के लोग पहुंचे। पुलिस को सूचना दी। हंगामा देख मोहल्ले के अन्य लोग भी पहुंच गए। बताया कि एक के बाद एक छह लोगों को कुत्ता काट चुका है। शिकायत के बाद भी नगर निगम और पुलिस कार्रवाई नहीं करता है। जाजमऊ पुलिस ने भीड़ को कार्रवाई का आश्वासन दिया तब जाकर हंगामा शांत हुआ।

जाजमऊ उंचा टीला में रहने वाले फिरोज का 9 साल का बेटा अरबाज मंगलवार सुबह घर के बाहर बच्चों के साथ खेल रहा था। इस दौरान इलाके के रहने वाले विनोद कुमार का पालतू कुत्ता बच्चे के ऊपर झपट पड़ा और पीठ पर काट लिया। बच्चे को काटता देख मोहल्ले के लोग डंडा लेकर दौड़े और कुत्ते को खदेड़ा। जमीन पर गिरने से अरबाज के कई जगह चोट लगी। मामले की जानकारी मिलते ही अरबाज के परिजन मौके पर पहुंचे और उन्होंने हंगामा किया।

इलाके के लोगों ने बताया कि मोहल्ले में रहने वाले विनोद का पालतू कुत्ता आधा दर्जन से अधिक बच्चों को काट चुका। कई बार उससे कुत्ते को अंदर बांधकर रखने के लिए कहा गया। लेकिन विनोद कुत्ते को सड़क पर खुला छोड़ देते है।

जिसके चलते उनके घर के बाहर से निकलने वाले राहगीरों पर कुत्ता भौंकता है और बच्चों को दबोचकर काट लेता है। सूचना पर जाजमऊ थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंची और विनोद को कुत्ता घर में बांधकर रखने की हिदायत दी।

जाजमऊ थाना प्रभारी अरविंद सिंह ने बताया कि कुत्ता काटने की सूचना पर सिपाही मौके पर जांच करने गए थे। तहरीर मिलने पर मामले में कार्रवाई की जाएगी।

कानपुर सेंट्रल पर दो गांजा तस्कर गिरफ्तार, 10 लाख कीमत का गांजा बरामद

कानपुर(संवाददाता)। कानपुर सेंट्रल पर गांजा तस्करी करने वाले दो अभियुक्तों को जीआरपी पुलिस ने गिरफ्तार किया। बिहार के रहने वाले दोनों अभियुक्त बिहार से अन्य शहरों में ट्रेन के द्वारा गांजा तस्करी का काम करते थे। इनके पास से भारी मात्रा में गांजा बरामद किया गया है। पुलिस पूछताछ में जुटी हुई है पुलिस को आशंका है कि यह किसी बड़े जीरो एच के साथ मादक पदार्थ के तस्करी का काम करते हैं। पकड़े गए अभियुक्तों के साथ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

कानपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 4 और 5 के बीच बिहार के रहने वाले दो लोगों को पकड़ा गया। दोनों अभियुक्तों की तलाशी के बाद उनके पास से भारी मात्रा में गांजा की बरामदगी हुई। जीआरपी इंस्पेक्टर रामकृष्ण द्विवेदी ने बताया कि पकड़े गए अभियुक्त मुकेश कुमार सिंह और विंध्याचल प्रसाद गुप्ता दोनों ही बिहार के रहने वाले हैं। इन लोगों ने पुलिस की पूछताछ में बताया की बिहार से यह गांजा बैग में पैक करके अलग–अलग शहरों में तस्करी करने का काम करते हैं। इन्होंने कबूल किया कि उनके पास काम नहीं है बेरोजगार है। इसलिए यह मादक पदार्थों की तस्करी करते हैं। इन्होंने बताया कि उनके पास से बरामद हुआ 18 किलो 800 ग्राम गांजा बिहार के रेलवे स्टेशन से कम कीमत में खरीद कर लाए थे। गांजे को यह तस्करी के लिए कानपुर और आसपास के जिले से लेकर दिल्ली तक सप्लाई करते हैं। थाना प्रभारी ने बताया की पकड़ा गया गांजा अच्छी किस्म का है ।बाजार में इस गांजा की कीमत तकरीबन 9 से 10 लाख रुपए की होगी। उन्होंने बताया कि पकड़े गए ,अभियुक्तों से पूछताछ की जा रही है ।आशंका जताई जा रही है कि यह किसी बड़े गैंग के साथ मादक पदार्थ की तस्करी का काम करते हैं। इन अभियुक्तों के खिलाफ पुराने आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है।

हाईवे पर अज्ञात-वाहन ने होमगार्ड को मारी टक्कर, मौत

हरदोई (संवाददाता)। जिले में बैंक में ड्यूटी करने जा रहे एक होमगार्ड की सड़क हादसे में मौत हो गई। हाईवे पर अज्ञात वाहन ने होमगार्ड की बाइक में जोरदार टक्कर मार दी थी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। आनन–फानन में होमगार्ड को हरदोई के मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया। जहां उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के ग्राम शर्मा निवासी 55 वर्षीय विक्रम पुत्र मंहगे होमगार्ड के पद पर नौकरी करता था। वह शाहाबाद कोतवाली में अपनी ड्यूटी लगवाकर बाइक से हुंसेपुर स्थित बैंक में ड्यूटी करने जा रहा था। वह जैसे ही ग्राम ककरघटा के पास पहुंचा, कि तभी पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। जिससे होमगार्ड बाइक समेत दूर जा गिरा और गंभीर रूप से जख्मी हो गए। आनन–फानन में जख्मी होमगार्ड को जिला अस्पताल भेजा गया।

जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पाकर परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक होमगार्ड के दो पुत्र और दो पुत्रियां हैं। चारों का विवाह हो चुका है। मृतक शाहाबाद कोतवाली में तैनात था। एएसपी नृपेंद्र ने बताया कि ककरघटा के पास हादसा हुआ। तत्काल होमगार्ड को मेडिकल कालेज भेजा गया। मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम विधिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

कंजक्टिवाइटिस का हमला तेज,चार मरीजों के आंखों में माड़ा पाया गया

कानपुर (संवाददाता)। उमस भरी गर्मी में संचारी रोगों के साथ कंजक्टिवाइटिस का हमला तेज हो गया है। मंगलवार को हैलट और उर्सला अस्पताल में वायरल के साथ गैस्ट्रो,डिहाइड्रेशन और डायरिया के मरीजों का तांता लगा रहा। गंभीर दशा में पहुंचे 29 मरीजों को इमरजेंसी में भर्ती किया गया। डायरिया से चार मरीजों की किडनी फेल हो गई और आईसीयू में शिफ्ट किया गया। इस बीच कंजक्टिवाइटिस के चार मरीजों के आंखों में माड़ा पाया गया।

हैलट की नेत्र ओपीडी में मंगलवार को कंजक्टिवाइटिस के बीमारों की लाइनें लगी रही। अब डॉक्टरों के पास बिगड़े केस मिल रहे है। स्टेरॉयड की दवाओं से मरीजों की आंखों में माड़ा पड़ने लगा है। एचओडी डॉ शालिनी मोहन ने बताया कि कंजक्टिवाइटिस में गलत दवाओं के कारण ही आंखों में सफेदी विकसित हो रही है। अब तक चार मरीज रिपोर्ट हो चुके है,इन्हें ठीक होने में समय लगेगा।

गैंगस्टर नसीम और भाई-भतीजे की संपत्ति की जांच शुरू

अवैध तरीके से बनाई गईं करोड़ों की संपत्ति होगी कुर्क

उन्नाव (संवाददाता)। गंगाघाट कोतवाली के जाजमऊ पुलिस चौकी इलाके के अखलॉक नगर के रहने वाले जमीन का काम करने वाले डॉ. नसीम अहमद और उसके भाई भतीजे के खिलाफ डीएम के निर्देश पर गैंगस्टर की कार्रवाई हुई है। इन तीनों की संपत्तियां कितनी हैं यह जांचने में अधिकारी लग गये हैं। कानपुर केडीए कॉलोनी जाजमऊ निवासी डॉ. नसीम अहमद पुत्र हाजी अखलॉक अहमद हाल पता अखलॉक नगर थाना गंगाघाट और फैज अहमद पुत्र इकलॉक अहमद निवासी केडीए कॉलोनी शिवांश टेनरी हाल पता अखलॉक नगर गंगाघाट, वहीं बिलाल अहमद पुत्र नईम अहदम केडीए कॉलोनी जाजमऊ कानपुर, हाल पता अखलॉक नगर को गंगाघाट इंस्पेक्टर चंद्रकांत सिंह ने हमराहियों के साथ गिरफ्तार कर रविवार को जेल भेजा था। पुलिस ने बताया कि नसीम अहमद पर धोखाधड़ी, गुंडा एक्ट, लोक संपत्ति नुकसान और गैंगस्टर के मामले दर्ज हैं। वहीं, फैज अहमद पर गैंगस्टर एक्ट और मारपीट समेत कई आपराधिक मामले हैं। इसके अलावा बिलाल अहमद पर भी आपराधिक मामले के अलावा गैंगस्टर एक्ट का केस दर्ज हैं। अब तीनों गैंगस्टर की कहां–कहां संपत्तियां हैं, उनकी कीमत क्या है इसकी जांच के लिये अधिकारी लग गए हैं। उसीओ सिटी आशुतोष कुमार ने बताया कि कई करोड़ों रुपए की संपत्तियां गलत तरीके से अर्जित की गई हैं। सभी का जांच होने के बाद आंकलन हो पाएगा कि कितने करोड़ की संपत्ति तीनों के पास है। उसी के अनुसार जिलाधिकारी के निर्देश पर कुर्की की कार्रवाई की जाएगी। इसके लिये राजस्व टीम के अलावा अन्य कई टीमें लगाई गई हैं। इंस्पेक्टर चंद्रकांत सिंह ने बताया कि गंगाघाट क्षेत्र में चल–अचल संपत्ति का ब्यौरा जुटाया जा रहा है।

तालाब में डूबकर 2 बच्चों की मौत

हरदोई (संवाददाता)। जिले में घास काटने गए दो बच्चे तालाब में डूब गए, जिससे उनकी मौत हो गई। दोनों बच्चे आपस में मामा–भांजे थे। घटना की सूचना पर पुलिस और जिम्मेदार अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया है। बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र के अकबरपुर पसनामऊ गांव में 500 मीटर दूरी पर एक तालाब है। यहां मंगलवार की सुबह मोहम्मद आलम (9) पुत्र ईसुब और इराबान (13) पुत्र शब्बीर घास लेने गए थे। जब वह तालाब के पास से वापस घर आ रहे थे तो अचानक ही मोहम्मद आलम का पैर फिसल गया और वो तालाब में जा गिरा। भांजे आलम को डूबता देख ईसुब भी उसे बचाने के लिए तालाब में कूद गया और दोनों डूब गए।

बताया गया है कि जब डूबते हुए बच्चे चिल्लाए तो तालाब से कुछ दूर लोग अपने खेत में काम कर रहे थे। चिल्लाने की आवाज सुनकर जब वो दौड़कर वहां पहुंचे तब तक देर हो चुकी थी। दोनों बच्चे तालाब की तलहटी में जा चुके थे। लोगों को वहां जब कोई नजर नहीं आया तो कुछ लोग तालाब के अंदर घुसे और बच्चों को तलाश करने लगे।

काफी देर के बाद दोनों बच्चों के शवों को बाहर निकालकर लाया गया और पुलिस को सूचना दी गयी।

मौके पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक डीडी सिद्धार्थ ने दोनों बच्चों के शवों को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। नायब तहसीलदार ज्योति मौर्या ने वहां पहुंच कर घटना की जानकारी ली और बच्चों के परिवारजनों को आर्थिक सहायता दिलाये जाने की बात कही। मोहम्मद आलम अपने पिता का इकलौता पुत्र था, जबकि इराबान छह भाई और चार बहनें हैं।

एसपी ने 11 दरोगाओं के किए तबादले

ऊगू चौकी इंचार्ज बने दीपक कुमार, दरोगा राकेश सिंह बने फतेहपुर चौरासी के चौकी प्रभारी

उन्नाव (संवाददाता)। अपराध को रोकने और लम्बे समय से एक ही थाने, चौकी में जमे दरोगाओं का एसपी ने तबादला कर सूची जारी कर दिया है। जिसमें कई दरोगा ऐसे भी हैं जो काफी समय से एक ही थाने पर जमे थे। अब उन्हें दूसरे थाने पर तैनाती दी गई है। तबादले की सूची में शिकायत होने वाले एक दरोगा का भी स्थानांतरण किया गया है। एसपी ने तबादले की लिस्ट जारी कर तत्काल प्रभाव से आदेश के पालन को भी कहा है। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ शंकर मीणा ने अपराध पर लगाम लगाने के थाना ओर चौकियों में तैनात 11 दरोगाओं को इधर से उधर किया गया है। तबादले की सूची में जज के बाबू से अभद्रता करने वाले मोहान चौकी इंचार्ज दृगपाल सिंह को बेटा मुजावर थाना में वरिष्ठ उप निरीक्षक पद पर भेजा है। थाना आसीवन के हैदराबाद चौकी इंचार्ज राजेश दीक्षित को मोहान चौकी प्रभारी, थाना फतेहपुर 84 के ऊगू चौकी में तैनात दारोगा राजीव भदोरिया को चौकी प्रभारी हैदराबाद थाना आसीवन भेजा गया है। वहीं थाना माखी में तैनात दारोगा भगत सिंह को वरिष्ठ उपनिरीक्षक थाना असोहा, प्रभारी महिला सहायता प्रकोष्ठ, महिला सम्मान कोष में तैनात राजबहादुर को प्रभारी साइबर सेल, मौरावां थाने में लंबे समय से तैनात दरोगा विष्णु दत्त को थाना फतेहपुर चौरासी, पुलिस लाइन में तैनात महिला उपनिरीक्षक उमा अग्रवाल को थाना एएचटीयू की तैनाती मिली है। इसके अलावा फतेहपुर चौरासी के राजेपुर चौकी इंचार्ज सत्येंद्र कुमार दिवाकर को चौकी प्रभारी गंज मुरादाबाद थाना बांगरमऊ, दरोगा दीपक कुमार को चौकी इंचार्ज गंज मुरादाबाद से चौकी प्रभारी ऊगू, यातायात में तैनात दरोगा अरविंद पांडे को वरिष्ठ उपनिरीक्षक थाना कोतवाली, माखी थाने में तैनात दरोगा राकेश कुमार सिंह को चौकी प्रभारी राजेपुर थाना फतेहपुर चौरासी भेजा गया है।

चलते ट्रकों से चोरी करने वाले पांच शातिर गिरफ्तार, लाखों को माल बरामद

उन्नाव (संवाददाता)। जिले के अलग अलग थाना क्षेत्रो को हाइवे से गुजरने वाले ट्रको को निशाना बनाकर उनमे लदा कीमती माल पार करने वाले पांच शातिरो को दही थाना पुलिस ने दावा किया है। उनके पास से दो पिकअप समेत लाखों को माल बरामद किया है। पुलिस ने पकडे गये सभी शातिरो के खिलाफ दही थाना मे मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने की कार्यवाही की है। पुलिस लाइन सभागार मे अपर पुलिस अधीक्षक शशि शेखर सिंह ने खुलासा करते हुए बताया कि दही थानाध्यक्ष अनुराग सिंह, दरोगा भीमशंकर मिश्र हमराह हेड कास्टेबल ज्ञान सिंह, सिपाही अंकुर तोमर, कृष्ण प्रताप, रोहित कुमार, विजय द्वारा पुरवा मोड़ तिराहे पर वाहनों की चेकिंग के दौरान लोडर छोटा हाथी को रोका गया।

जिसमें सवार पांच शातिर वीरेन्द्र सिंह पुत्र रामकुमार निवासी नयापुरवा, किदवईनगर थाना जुही कानपुर नगर, जब्बार पुत्र रज्जाक निवासी नयापुरवा किदवईनगर थाना जुही कानपुर नगर, राहुल कुमार मिश्रा पुत्र अरून कुमार मिश्रा निवासी ग्राम व थाना छिवलहा जनपद फतेहपुर, गौतम राजपूत पुत्र रवी राजपूत निवासी शान्तिनगर थाना दीनहथा जिला जलपाईगुडी पश्चिम बंगाल, आलोक पाण्डेय पुत्र धर्मेन्द्र पाण्डेय निवासी ग्राम खालियापुर थाना जहानाबाद जिला फतेहपुर के वाहनों की तलाशी ली गई तो इनके पास से वाहनो मे तमंचा, तीन कारतूस, चोरी का बिजली का तार बोरी चना दाल, दो बोरी दाल मसूर, एक बोरी साबूत मसूर दो कार्टून गुडडे विस्कुट, एक कार्टून ब्रिटानिया बिस्कुट, ताजा चाय के चार पैकेट, दो गत्ता साबुन डिटाल, बोरी घडी पाउडर, तीन गत्तो में सरसो तेल, तीन गत्ता निरमा साबुन, तीन गत्ता घडी साबुन, दो बोरी जामुन के बीज, एक प्रेशर कटर बरामद हुआ। पूछताछ में पकडे गये शातिरो ने बताया कि हम लोगों का एक गिरोह है और हम पांचों लोग मिलकर कई अन्य जनपदों के रात्रि में रोड पर चलते हुए रोड के किनारे ढाबों पर खडे हुए ट्रकों के तिरपाल काटकर उनमें से सामान चोरी कर विभिन्न स्थानों पर राह चलते लोगों को बेंच देते है। बिजली के तार काटकर चोरी का भी कार्य करते हैं और उन्हे टुकडों में काट काट कर राह चलते कबाडियों को बेच देते है तथा प्राप्त पैसों को आपस में बांट लेते है। पुलिस के अनुसार जब्बार पर गैंगेस्टर एक्ट समेत बारह मुकदमे अलग अलग थानो मे दर्ज है। गौतम राजपूत के खिलाफ उन्नाव और कानपुर मे पांच मुकदमे पंजीकृत है। वीरेन्द्र कुमार पर उन्नाव मे ही चार मुकदमे दर्ज है। आरोपी आलोक पर चोरी के चार अभियोग पंजीकृत है। अभियुक्त राहुल के खिलाफ भी चार मुकदमे दर्ज है।

शराबी युवकों ने सड़क पर गिलास रखकर बनाए पैग, आवागमन हुआ बाधित

हरदोई (संवाददाता)। जिले में शराबी युवकों के बीच सड़क पर जाम छलकाने और उत्पात मचाने का मामला सामने आया है। दरअसल शराबियों ने पहले बीच सड़क पर गिलास रखकर बोतल से पैग बनाया। फिर जमकर गाली–गलौज शुरू कर दी। शराबियों की इस हरकत से सड़क पर आवागमन बाधित हो गया। काफी देर तक शराबी बीच सड़क पर ही गिलास रखकर बोतल से पैग बनाते रहे और गाली गलौज करते रहे। इस दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने बेखौफ शराबी गुंडों के सड़क पर आतंक मचाने का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने उत्पात मचाने वाले दो शराबियों को हिरासत में लेकर कार्रवाई में जुटी है। मामला थाना कोतवाली शहर इलाके में आरटीओ ऑफिस के निकट सरकुलर रोड का है। तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि कुछ युवक हाथ में शराब की बोतल लिए हुए हैं। जमीन पर गिलास रखें हैं। यह युवक पहले जमीन पर रखे गिलासों में शराब डालते हैं और फिर उसमें पानी मिलाते हैं। जिसके बाद बीच सड़क पर ही गाली गलौज शुरू कर देते हैं।

आवश्यक सूचना

थाना परिसर में सीज लावारिस वाहनों की होगी नीलामी

परशुरामपुर। थाना परिसर में अलग अलग मामलों में सीज लावारिस वाहनों का जिला मजिस्ट्रेट के निर्देशन व उपजिलाधिकारी हरैया के मौजूदगी में आगामी 4अगस्त को नीलामी की जायेगी। उक्त जानकारी देते हुए प्रभारी निरीक्षक परशुरामपुर रामेश्वर यादव ने बताया कि थाना परिसर में अलग अलग मुकदमों में सीज लावारिस कुल 34 वाहनों की नीलामी करायी जायेगी। इच्छुक व्यक्ति निर्धारित जमानत राशि जमा कर नीलामी में प्रतिभाग कर सकते हैं।

ऐतिहासिक इमारतों को 90 साल के लिए लीज पर देगी योगी सरकार, कैबिनेट में 32 प्रस्तावों को मिली हरी झंडी

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता आज यानी मंगलवार को लोकभवन यूपी सरकार की कैबिनेट बैठक हुई। इस बैठक में ऐतिहासिक इमारतों को 90 साल के लिए लीज पर देने के साथ– साथ 32 प्रस्तावों को हरी झंडी लगाई गई है।पर्यटन विभाग के बंद व घाटे में चल रहे ध्असंचालित पर्यटक आवास गृह को पीपीपी मोड पर विकसित और संचालित करने के संबंध में प्रस्ताव पास।प्रदेश के प्राचीन धरोहर भवनों को एडाप्टिव रीयूज के अंतर्गत सार्वजनिक निजी सहभागिता (पीपीपी) मॉडल पर हेरिटेज पर्यटन इकाइयों के रूप में विकसित किए जाने के संबंध में प्रस्ताव पास।उत्तर प्रदेश जल आधारित पर्यटन एवं सहायक क्रीड़ा नीति 2023 के संबंध में प्रस्ताव पास।तहसील सदर जनपद लखीमपुर खीरी क्षेत्र के विकास हेतु पर्यटन विभाग के नाम भूमि दर्ज

कराए जाने के संबंध में प्रस्ताव पास।उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग विधेयक 2023 को पारित कराने के संबंध में प्रस्ताव पास। अयोध्या शहर को सोलर सिटी के रूप में विकसित करने हेतु 40 मेगावाट क्षमता की सोलर विद्युत उत्पादन परियोजना की स्थापना के लिए जनपद अयोध्या में भूमि की उपलब्धता के संबंध में प्रस्ताव पास। उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति 2022 और उत्तर प्रदेश जैव ऊर्जा नीति 2022 के अन्तर्गत सौर ऊर्जा परियोजनाओं, जैव ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना के लिए निवेशकों को भूमि उपलब्ध कराई जाने के संबंध में प्रस्ताव पास। प्रदेश में वाहनों की तकनीकी स्वस्थता को सुनिश्चित किए जाने के प्रयोजनार्थ वाहनों की जांच हेतु स्वचालित परीक्षण स्टेशन (एटीएस) की स्थापना हेतु प्रस्तावित नई राज्य नीति के संबंध में प्रस्ताव पास। कल्याण सिंह सुपर स्पेशलिटी कैंसर इंस्टीट्यूट लखनऊ में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के अंतर्गत सेंटर फॉर एडवांस्ड मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक एंड रिसर्च फॉर कैंसर प्रारंभ किए जाने के संबंध में प्रस्ताव पास। पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र और परिधान पार्क योजना के अंतर्गत टेक्सटाइल पार्क की स्थापना एवं भूमि हस्तांतरण के संबंध में प्रस्ताव पास। उत्तर प्रदेश फार्मास्यूटिकल एवं चिकित्सा उपकरण उद्योग नीति 2023 का प्रख्यापन के संबंध में प्रस्ताव पास। जनपद कुशीनगर में महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु उत्तर प्रदेश कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय अधिनियम 1958 का अग्रसर संशोधन करने के संबंध में प्रस्ताव पास।बस्ती, गोंडा, मिर्जापुर एवं प्रतापगढ़ में निर्माणाधीन इंजीनियरिंग कॉलेजों को डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय लखनऊ का संयुक्त संस्थान बनाए जाने के संबंध में प्रस्ताव पास। मंत्रिपरिषद द्वारा डिजिटल क्रॉप सर्वे मंजूरी,इसका क्रियान्वयन केंद्र सरकार द्वारा पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर इसी वर्ष शुरु किया गया है,इसके अंतर्गत उत्तरप्रदेश के 21 जनपदो मे पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर कार्य शुरु होगा। जिसमें भदोही, संतकबीरनगर, औरैया, महोबा, हमीरपुर, सुल्तानपुर, वाराणसी, जौनपुर, प्रतापगढ़, मिर्जापुर, मुरादाबाद, जालौन, चित्रकूट, फर्रुखाबाद, अयोध्या, चंदौली, झाँसी, बस्ती, हरदोई, देवरिया, गोरखपुर शामिल है। यह योजना केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा संयुक्त रूप से संचालित होगी, केंद्र राज्य का खर्च 60: – 40: आधार पर होगा। प्रदेश के 10 राही पर्यटक आवास गृहो को पीपीपी मॉड मे संचालित करने का निर्णय लिया गया है। इनमें सोनौली (महाराजगंज), बटेश्वर (आगरा),गोकुल गांव (मथुरा), कालिंजर (बांदा), मथुरा, राधा कुंड (मथुरा), सांडी झील (हरदोई), नैमिषारन्य (सीतापुर), देवगढ़ (ललितपुर), भदोही है। इन राही पर्यटक आवास गृहों को पीपीपी मॉड पर संचालित किया जायेगा।

चंदन नगर फल मंडी में लगी आग, 5 दुकानें जली

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के थाना आलमबाग थाना क्षेत्र स्थित चंदन नगर मार्केट में मंगलवार सुबह फल मंडी में आग लग गई। दुकानदारों ने पानी डालकर आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। मौके पर पहुंची तीन दमकल ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। आग से फल की पांच दुकानें जल गई। जिससे लाखों का सामान जल गया। दूसरी तरफ विभूतिखंड में एक कांप्लेक्स में शार्ट सर्किट से आग लग गई। जिससे ऑफिस में रखा फर्नीचर और कीमती सामान जल गया। एफएसओ आलमबाग के मुताबिक मंगलवार सुबह फायर स्टेशन पास स्थित चंदरनगर फल–सब्जी मंडी से आग लगने की सूचना मिली। दमकल की तीन गाड़ियां ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया। आग से कृष्णानगर निवासी भगवानदास व जितेंद्र, आशियाना के रंजीत और मधुवन नगर की प्यारे और बेबी की दुकान की दुकान में रखा सामान जल गया। प्रारंभिक जांच में आग शार्ट सर्किट से लगने की बात सामने आ रही है। हालाकि आग लगने के सही कारणों का पता लगाया जा रहा है। विभूति खंड में

रूद्र स्क्वायर बिल्डिंग में मंगलवार सुबह शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। देखते ही देखते आग ने बिल्डिंग के दूसरे और तीसरी मंजिल पर रखे समान को चपेट में ले लिया। सूचना पर पहुंची दमकल की दो गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। आग से ऑफिस में रखा फर्नीचर और सामान जलकर राख हो गया। हादसे के समय बिल्डिंग में कोई भी मौजूद नही था। पुलिस के मुताबिक विभूतिखंड में अजीत सिंह और निधि सिंह की तीन मंजिला रूद्र स्क्वायर बिल्डिंग है। पहली मंजिल किराए पर उठा है। वहीं दूसरी मंजिल खाली है और तीसरी मंजिल पर फर्नीचर व अन्य समान था। जिसमें कंपनी से जुड़े जुड़े कागजात थे। बिल्डिंग के सामने लगे बिजली के पोल में तार का मकड़जाल फैला था। मंगलवार सुबह करीब छह बजे बिजली के पोल के तारों में शॉर्ट सर्किट की चिंगारी से बगल में निर्माणाधीन बिल्डिंग में लगी बांस बल्ली में आग लग गई। देखते ही देखते आग रुद्र स्क्वायर बिल्डिंग के दूसरे और तीसरे मा को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग से फर्नीचर जलकर राख हो गया। उस समय बिल्डिंग में कोई न होने से बड़ी घटना होने से बच गई।

बीकेटी में अवैध कॉलोनियों पर चला बुलडोजर

कार्रवाई के नाम पर एलडीए की खानापूर्ति

लखनऊ (संवाददाता)। बीकेटी में लखनऊ विकास प्राधिकरण ने अवैध रूप से बन रही आवासीय कालोनी पर ध्वस्तीकरण के नाम पर खानापूर्ति की। मंगलवार दोपहर बाद लखनऊ विकास प्राधिकरण के जोन संख्या 4 के सहायक अभियंता कर्मचारियों और पुलिस बल के साथ जेसीबी लेकर ध्वस्तीकरण कार्रवाई करने पहुंचे। जेसीबी से बाउंड्री वॉल की चन्द ईंट उखाड़कर चले गए। वहीं रास्ते में हो रहे अवैध कालोनियों में अवैध निर्माण को नजरंदाज करते दिखाई दिए। लखनऊ विकास प्राधिकरण के जोन 4 के प्रवर्तन दस्ते ने मंगलवार को बीकेटी तहसील क्षेत्र के अंतर्गत कई बीघे में विकसित हो रही अवैध प्लाटिंग पर महज खानापूर्ति कर लौट गई। लखनऊ विकास प्राधिकरण प्रवर्तन दल जोन 4 टीम के सहायक अभियंता अनिल कुमार ने बताया कि बख्शी का तालाब तहसील के पास बन्नौर गांव के पास संजय अग्रवाल द्वारा अवैध रूप से बिना मानचित्र स्वीकृति के कालोनी विकसित की जा रही थी। जिसको एलडीए की प्रवर्तन जोन–4 की टीम ने क्षेत्रीय पुलिस बल के साथ कॉलोनी पर बुलडोजर चलाकर कार्रवाई की। एलडीए जोन 4 प्रवर्तन दल कारवाई के नाम पर मात्र खानापूर्ति कर इतिश्री कर लेते हैं। मंगलवार को बन्नौर गांव में ऐसा ही देखने को मिला, जहां संजय अग्रवाल द्वारा विकसित की जा रही अवैध कालोनी पर कारवाई के नाम पर मात्र जेसीबी को इधर उधर दौड़ाकर कारवाई पूरी कर ली गई। अगर इन अधिकारियों द्वारा एक बार बिना मानचित्र स्वीकृत के विकसित हो रही कालोनियों पर कड़ी कारवाई कर दी जाए तो शायद इस तरह के अवैध निर्माणों पर लगाम लग सकती है। अधिकारी कार्रवाई के नाम पर रुपए लेकर राजस्व को लाखों रुपए का चूना भी लगा रहे हैं। बख्शी का तालाब तहसील क्षेत्र में कई जगहों पर बिना मानचित्र स्वीकृत के बड़ी–बड़ी बिल्डिंगों का निर्माण हो चुका है और अवैध रूप से कॉलोनी अभी विकसित हो रही हैं। तहसील प्रशासन और सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों के द्वारा कोई कार्रवाई न करने पर अवैध कालोनियों के कारोबारी बेखौफ हैं। वहीं लखनऊ विकास प्राधिकरण के सहायक अभियंता प्रवर्तन दल 4 अनिल कुमार भी इस संबंध में बयान देने से कतराते दिखे।

मुसलमानों का शोषण बंद करें राजनीतिक दलः मोहम्मद साकिब

लखनऊ (संवाददाता)। ऑल इंडिया यूनाइटेड मुस्लिम मूवमेंट के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद साकिब ने लखनऊ के हुसैनाबाद स्थित अपने मुख्य कार्यालय पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि आजादी के बाद से राजनीतिक दलों ने मुसलमानों को केवल धोखा दिया है। यही कारण है कि मुसलमान उनके कार्यकाल में धीरे–धीरे नौकरियों में 30: से घटकर 2: पर आ गए हैं और उनकी आर्थिक और शैक्षिक स्थिति दलितों से भी बदतर हो गई है। जैसा कि रंगनाथ मिश्रा कमीषन और सच्चर कमेटी की रिपोर्टों से पुष्टि होती है, उन्हीं राजनीतिक पार्टियों के शासन के दौरान, अनुच्छेद 341 पर धार्मिक प्रतिबंध लगाकर मुसलमानों और दलितों को आरक्षण के एक बड़े पैकेज से वंचित किया गया था, और ओ0बी0सी0 के 27: हिस्से के अनुसार आरक्षण का लाभ नहीं उठाने दिया गया। मोहम्मद साकिब ने आगे कहा कि यह बहुत दुखद है कि जब भी संसद में मुसलमानों के खिलाफ कोई बिल आता है, तो कुछ पार्टियां इस बिल का समर्थन करके मुसलमानों की भावनाओं से खिलवाड़ करती हैं। बी0जे0पी का डर दिखाकर मुसलमानों का वोट. अब मुसलमान धोखेबाज पार्टियों को वोट देने के बजाय नोटा का बटन दबाकर राजनीतिक पार्टियों को मुसलमानों के महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान देने और मुसलमानों की समस्याओं पर सड़क से संसद तक आवाज उठाने के लिए मजबूर करेंगे।

ज्ञानवापी प्रकरण पर बयान बाजी करना सपा और भाजपा की सोची-समझी साजिश का परिणाम : मायावती

लखनऊ (संवाददाता)। ज्ञानवापी प्रकरण को लेकर वार–पलटवार का दौर जारी है। समाजवादी पार्टी के महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बायन पर बसपा प्रमुख मायावती ने पलटवार किया है। हालांकि उन्होंने अपने ट्वीट में किसी नेता के नाम का जिक्र नहीं किया है, लेकिन सपा– भाजपा को आड़े हाथ लेते हुए जमकर हमला बोला है। उन्होंने अपने ट्वीट में दोनों पार्टियों की सोची समझी चाल बताई है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि सपा द्वारा बौद्ध मठ को तोड़कर बद्रीनाथ मन्दिर बनाने सम्बंधी बयान के बाद अब भाजपा द्वारा कोर्ट में लंबित ज्ञानवापी प्रकरण को लेकर

विवाद को बढ़ाने वाला बयान कहीं इन दोनों पार्टियों की सोची–समझी राजनीतिक साजिश का परिणाम तो नहीं? यह गंभीर व अति–चिन्तनीय। उन्होंने अपने दूसरे ट्वीट में कहा कि ज्ञानवापी मामले में एएसआई से सर्वे कराने के विवाद को लेकर मामला माननीय सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर हाई कोर्ट में अभी लंबित है, तब उस विवाद के सम्बंध में कोई भी टीका–टिप्पणी करना अनावश्यक ही नहीं बल्कि अनुचित। कोर्ट के फैसले का सम्मान एवं इंतजार करना जरूरी।

गौरतलब है कि सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने हाल ही में बयान दिया था कि बद्रीनाथ धाम को बौद्ध मठ तोड़कर बनाया गया है। जब इसे लेकर हिन्दू संगठन ने विरोध कि तो उन्होंने राजधानी लखनऊ में प्रेस वार्ता की। उन्होंने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि मेरे द्वारा दिया गया बयान तथ्यो पर आधारित है। मेरा उद्देश्य किसी की भावना को ठेस पहुंचाना नहीं। उन्होंने सफाई के दौरान कई पुस्तकों का जिक्र भी किया। हालांकि मामला कोर्ट में विचाराधीन है।

डीसीडीएफ के चेयरमैन ने ग्रहण किया पदभार

खाद, बीज व कीटनाशक की नही होगी कमी : प्रशांत

पहली बैठक में पास हुए सात प्रस्ताव

लखनऊ (संवाददाता)। जिला सहकारी विकास संघ के नव निर्वाचित अध्यक्ष प्रशांत शुक्ला ने आज पदभार ग्रहण कर संचालक मण्डल की बैठक की। संचालक मण्डल ने सात प्रस्ताव पास कर प्रशांत शुक्ल के हाथों को मजबूत करने की बात दोहराई। निवर्तमान अध्यक्ष शिवशंकर शुक्ला ने नव नियुक्त अध्यक्ष एवं संचालकों का स्वागत किया और संघ के उज्ज्वल भविष्य के लिए नये संचालक मण्डल को शुभकामनाएं दीं नव निर्वाचित अध्यक्ष प्रशांत शुक्ला ने पारित प्रस्तावों के बारे में पत्रकारों को बताया। उन्होंने कहा कि पूर्व में संचालक मण्डल के लिए गये निर्णयों को सख्ती से पालन किया जायेगा। शासन की मंशा के अनुसार किसानों को खाद, बीज व कीटनाशक दवाओं को संघ का प्रयास होगा कि ब्लॉक स्तर पर संघ की शाखाएं खोली जायें जिससे किसानों को प्रशिक्षण दिया जा सके और नैनो तरल पदार्थ के उपयोग की विधि और उससे फसलों पर होने वाले लाभ के बारे में किसानों को भली–भांति अवगत कराया जा सके। खाद बीज और कीटनाशक दवाओं की किसानों को कमी नही आने देंगे। शासन की इच्छा के अनुसार समर्थन मूल्य योजना के अंतर्गत धान के क्रय केन्द्र खोले जायें। उसके लिए जिला सहायक निबन्धक सहायक आयुक्त क्रय एजेंसियों से तुरंत सम्पर्क किया जायेगा। शासन की नीति के अनुसार सहकारिता के माध्यम से सरकार की योजनाएं गांव–गांव तक पहुंचायी जायेंगी बैठक में मुख्य रूप से प्रशांत कुमार शुक्ल अध्यक्ष, किरन कुमारी उपाध्यक्ष, सुमन, नीतू सिंह, सईद अहमद, राजेश्वर दयाल, महेन्द्र कुमार पाण्डे, परमेश्वर, राम लखन, राम भरोसे, नन्हेंलाल, राम गोपाल, अतुल वर्मा आदि संचालक मौजूद रहे।

तीन अन्तर्जनपदीय चोर गिरफ्तार

मखौड़ा संदेश बस्ती संवाददाता।

बस्ती। सोनहा पुलिस टीम द्वारा सोने की चैन चोरी करने वाली 03 अंतर्जनपदीय चोरों को गिरफ्तार किया गया । थाना सोनहा पर सूचना प्राप्त हुई कि मंगलवार को जेना देवी पत्नी नंदलाल निवासी पचारी कला ,थाना रूधौली जनपद बस्ती अपने पति नंदलाल व अपने पुत्र अशोक कुमार के साथ बैड़वा माता मंदिर भानपुर दर्शन हेतु आयी थी मुख्य मंदिर के दाहिने काली जी के स्थान पर अगरबत्ती जला रही थी कि उसी समय करीब 10.00 बजे उनके अगल बगल तीन महिलायें घेरकर खडी हो गयी तथा गले से सोने की चेन निकाल लीं। उक्त सूचना पर थाना सोनहा जनपद बस्ती के पुलिस द्वारा 03 शातिर महिला चोरों रेशमा व अमृता निवासी बेलपार थाना सलेमपुर जनपद देवरिया और सुनीता लक्ष्मीपुर बड़हलगंज गोरखपुर को पकड़ कर मौके पर 01 अदद चैन पीली धातु बरामद किया गया। बरामदगी / गिरफ्तारी के आधार पर थाना सोनहा पर मु0अ0सं0 182 / 2023 धारा 379 / 411 पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर न्यायालय रवाना किया गया।

केंद्रीय विद्यालय कैंट में संभागीय योगाभ्यास प्रतियोगिता का शुभारंभ

लखनऊ (संवाददाता)। केंद्रीय विद्यालय लखनऊ कैंट, लखनऊ में 01 अगस्त 2023 से 4 दिवसीय 52वीं केंद्रीय विद्यालय संगठन की संभागीय योगासन (बालिका 14,17 और 19 आयु वर्ग) प्रतियोगिता 2023 आयोजित की गई है। इस प्रतियोगिता का शुभारंभ आज सुबह 09.00 बजे विद्यालय प्रचार्या और निर्णायक गण के साथ विद्यालय के योग एवं शरीरिक शिक्षा शिक्षक द्वारा दीप प्रज्वलन करके किया गया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत करके सभी आगंतुकों का अभिवादन किया। सभी टीमों के प्रतिभागियों ने मार्च पास्ट करके विद्यालय प्राचार्या को सलामी दी। इस खेल के लिए आमंत्रित सभी निर्णायकों को प्राचार्या द्वारा पुष्प गुच्छ एवं टोपी प्रदान कर स्वागत किया गया। सभी प्रतिभागियों को खेल को खेल भावना के साथ खेलने के लिए शपथ दिलाई गई। विद्यालय प्राचार्या वीनू मिश्रा ने अपने संबोधन में प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योगासन प्रतियोगिता का आनंद लीजिए। यह प्रतियोगिता 01 से 04 अगस्त 2023 तक होगी और इसमें कुल 24 टीमें भाग लेंगी।

धर्म लिबास से नहीं विचार-आचार से प्रकट होना चाहिए, सीएम योगी के बयान पर अखिलेश का पलटवार

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक इंटरव्यू में मजहब को लेकर एक बयान दे दिया। उन्होंने कहा कि ये देश मजहब से नहीं संविधान से चलेगा। अगर देश में रहना है तो राष्ट्र की सर्वोपरि को मानना होगा। सीएम के इस बयान के बाद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पलटवार किया है। अखिलेश ने कहा कि धर्म लिबास से नहीं विचार–आचार से प्रकट होना चाहिए, धर्म धमकी नहीं होता। बता दें कि सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपने एक इंटरव्यू में कहा था कि ये देश संविधान से चलेगा। मत और मजहब से नहीं, मैं ईश्वर का भक्त हूं लेकिन किसी पाखंड में विश्वास नहीं करता हूं, आपका मत आपका मजहब अपने तरीके से अपने घर में होगा, अपनी मस्जिद, अपनी इबादतगाह में होगा। सड़क पर प्रदर्शन करने के लिए नहीं और इसको आप किसी भी अन्य तरीके से दूसरों पर थोप नहीं सकते हैं। नेशन फर्स्ट है, यदि देश में किसी को रहना है तो उसको राष्ट्र को सर्वोपरि मानना होगा। अपने

मत और मजहब को नहीं। सीएम योगी के इस बयान के बाद अखिलेश यादव ने उन पर तंज कसा है। अखिलेश ने अपने ट्विटर अकाउंट पर ट्वीट कर कहा कि धर्म जीवन के साथ ही, मानवीय व्यवहार, सामाजिक सहनशीलता, व्यक्तिगत सकारात्मक उत्थान और चतुर्दिक सह अस्तित्व सिखाने का भी मार्ग है। धर्म लिबास से नहीं विचार–आचार से प्रकट होना चाहिए। धर्म धमकी नहीं होता। इस तरह अखिलेश ने सीएम के बयान पलटवार किया है।

अलग अलग मामले में दो गिरफ्तार

मखौड़ा संदेश परशुरामपुर संवाददाता।

परशुरामपुर। पुलिस ने मंगलवार को अलग अलग मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय रवाना कर दिया। पहला मामला थाना क्षेत्र के छेरियापारा का है जहाँ दहेज हत्या के मामले में पुलिस ने गांव निवासी बद्री प्रसाद पुत्र गया प्रसाद को गिरफ्तार किया वहीं दूसरे बहला फुसला कर भगाने के मामले थाना क्षेत्र के मड़रिया निवासी अनुज उर्फ छोटू उर्फ अनूप पुत्र ध्रुव राज को यरता चौराहे से गिरफ्तार किया। प्रभारी निरीक्षक रामेश्वर यादव ने बताया कि आरोपियों को आवश्यक कार्यवाही करते हुए न्यायालय भेज दिया गया है।

कायम, हमजा, तालिब और लारैब के गोल से यूनिटी कालेज की जीत

लखनऊ (संवाददाता)। लामार्टिनयर मार्टिन फुटबॉल कप में मंगलवार को यूनिटी कालेज लखनऊ ने एस विद्यालय अकादमी हरादोई को लामार्टिनयर ग्राउंड पर एकतरफा मुकाबले में 4–0 गोल से हरा दिया। यूनिटी की ओर से कायम अब्बास जैदी, हमजा, तालिब और लारैब ने एक–एक गोल की सफलता दर्ज की। वहीं यूनिटी की ओर से गोलकीपर अयान ने उम्दा बचाव करते हुए टीम को खेल के पूरे समय तक सुरक्षित रखा। खेल के पहले हाफ में यूनिटी कालेज लखनऊ ने प्रतिद्वंद्वी टीम हरदोई पर आक्रामक खेल का प्रदर्शन करने के साथ अपने डिफेंस को भी मजबूत रखा। पहले हाफ के 12वें मिनट में यूनिटी की ओर से अरहम के उम्दा पास पर तालिब ने मैदानी गोल दागकर टीम का स्कोर 1–0 कर दिया। 14वें मिनट में लारैब ने कायम अब्बास के चतुराई भरे पास को गोल में बदल कर टीम का स्कोर 2–0 और 28वें मिनट में तालिब के उम्दा पास को हमजा ने गोल में बदल कर टीम का स्कोर 3–0 करते हुए पहले हाफ में उम्दा बढ़त हासिल की। खेल के दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने एक दूसरे पर आक्रामक खेल खेला मगर गोल के बड़े अंतर के चलते हरदोई टीम पर दबाव साफ झलक रहा था। इसी क्रम में यूनिटी की ओर से कायग अब्बास ने खेल 52वें मिनट में हाफ फील्ड से बॉल को प्रतिद्वंद्वी टीम की रक्षापंक्ति को छदते हुए मैदानी गोल ठोक कर यूनिटी का स्कोर 4–0 कर दिया जो कि खेल के अंत तक बरकरार रहा। यूनिटी की ओर से अयास, अबान, अली नदीम, तालिब और कायम ने उम्दा डिफेंस और अटैक का प्रदर्शन कर टीम की जीत को आसान बनाया।

अयोध्या को उसके पौराणिक गरिमा के अनुरूप सजाया जा रहा है : मण्डलायुक्त

अयोध्या । मण्डलायुक्त गौरव दयाल ने बताया कि अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर निर्माण के साथ ही अयोध्या को उसके पौराणिक गरिमा के अनुरूप सजाया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत अयोध्या में विभिन्न विकास कार्यो को कराया जा रहा है। जन्मभूमि मंदिर के आसपास के क्षेत्रों को उसकी पौराणिक महत्ता के अनुसार सजाये जाने के साथ ही मंदिर के आसपास के क्षेत्रों में आधुनिकता को भी ध्यान में रखते हुये मंदिर के आसपास के क्षेत्रों यथा जन्म भूमि पथ, भक्ति पथ के समीप स्थित घरो में रूफ टॉप कैफेटेरिया विकसित करने के लिए गृहस्वामियों को प्रेरित किया जाएगा। जिसके लिए अयोध्या विकास प्राधिकरण द्वारा नियमानुसार एजेंसी के साथ अनुबंध कर आसपास के घरों का सर्वे कराकर इच्छुक गृहस्वामियों को रूफ टॉप कैफेटेरिया बनाने के लिए लोगो को जागरूक किया जाएगा तथा इसके लिए परमिशन आदि सम्बंधी जो प्रक्रियायें होंगी उनको एडीए के पैनल के माध्यम से सरलीकृत किया जाएगा।

मखौड़ा संदेश
हिन्दी दैनिक
मखौड़ा संदेश के लिए स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक माता प्रसाद पाण्डेय द्वारा विकास प्रिन्टर्स, म0सं0 15, जमौलिया पाण्डेय, पोस्ट–सिंकदरपुर, जिला–बस्ती (उ0प्र0) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक
विकास पाण्डेय
मो0 : 9918167159, 9026880094
Email:
makhaurasandesh@gmail.com
❐पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत समाचार पत्रों के चयन के लिए उत्तरदायी इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जनपद बस्ती न्यायालय होगा।